लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

दैनिक अमन लेखनी

स्त्री की संपन्न...... बच्चों के लिए .....

वर्ष : 12 | अंक : 09 | लखनऊ, 31 दिसम्बर, बुधवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

मथुरा में सनी लियोनी का कार्यक्रम रद्द

मथुरा। फिल्म अभिनेत्री सनी लियोनी का मथुरा दौरा रद्द हो गया है। अभिनेत्री का एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने का दौरा प्रस्तावित था, लेकिन साधु-संतों के विरोध के बाद होटल संचालक ने कार्यक्रम रद्द कर दिया। दिनेश फलाहरी महाराज ने डीएम को पत्र भी लिखा था। उन्होंने इस पर रोक लगाने की मांग की की थी। कहा कि धर्म नगरी को हम कलंकित नहीं होने देंगे।

आप का जनरल सेक्रेटरी जोशी गिरफ्तार

सूरत। सूरत में आप के नेता श्रवण जोशी को गिरफ्तार किया गया है। सूरत एसओजी की टीम जोशी को जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। सूरत शहर के लिंबायत इलाके में सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सस्ती अनाज की दुकान के मालिक ने आप से जुड़े महामंत्री और कार्यकर्ता पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

पूर्व एएजी की पत्नी की हत्या, गहने-कैश ले उड़े

मोहाली। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल कृष्ण कुमार गोयल की पत्नी अशोक गोयल की मोहाली के फेज 5 स्थित उनके घर पर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह घर में काम करने वाली महिला वहां पहुंची, अशोक गोयल की बॉडी देखी और तुरंत पुलिस को बताया। इस दौरान पुलिस को नौकर कुर्सी से बंधा मिला। आरोपी ज्वेलरी और कैश लेकर फरार हो गए।

महाराष्ट्र में महसूस किए गए भूकंप के झटके

हिंगोली। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राहत की बात यह है कि तीव्रता कम होने के कारण किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।भूकंप सुबह करीब 6 बजे से ठीक पहले आया, जब अधिकतर लोग सो रहे थे। कुछ इलाकों में लोग घरों से बाहर निकल आए। बताया जा रहा कि भूकंप का केंद्र जमीन से सिर्फ 10 किलोमीटर नीचे था।

शाह का 'मिशन बंगाल' : बंगाल में आगामी चुनाव की गरमाहट बढ़ी, सियासत पर बोले गृहमंत्री शाह

गृह मंत्री शाह ने कोलकाता में की प्रेस वार्ता

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही ममता सरकार, इसी मुद्दे पर होगा आगामी चुनाव

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर राज्यभर में सियासी गररमाहट तेज हो गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। इसी के कारण आरोप-प्रत्यारोप भी अपने चरम पर है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस वार्ता की।

उन्होंने राज्य की टीएमसी पर जमकर निशाना साधा। घुसपैठ, भ्रष्टाचार, प्रशासन समेत कई मुद्दों को लेकर शाह ने ममता सरकार को आड़े हाथ लिया। शाह ने कहा कि ममता चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं। बंगाल सरकार द्वारा हमें जमीन न दिए जाने के कारण हम बांग्लादेश सीमा की बाड़बंदी पूरी नहीं कर पाए हैं। 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव घुसपैठ रोकने और घुसपैठियों को बाहर निकालने इन्हीं मुद्दों पर लड़े जाएंगे।

- *राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगी*
- *राज्य की ममता सरकार को लिया आड़े हाथ*
- *टीएमसी के शासन में यहां भय और भ्रष्टाचार बढ़ा*

बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही राज्य सरकार

अमित शाह ने बंगाल सरकार पर बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए राज्य सरकार जमीन नहीं दे रही, जिसकी वजह से घुसपैठ की समस्या बनी हुई है। त्रिपुरा, असम, राजस्थान, पंजाब, कश्मीर और गुजरात की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों रुक गई, लेकिन पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि बंगाल में राज्य सरकार की जानकारी में घुसपैठ हो रही है और इसका मकसद जनसंख्या में बदलाव कर वोट बैंक मजबूत करना है। शाह ने साफ कहा कि बंगाल सीमा से हो रही घुसपैठ देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

ममता का शाह पर बड़ा हमला

शकुनि का चेला दुःशासन...

केंद्रीय गृह मंत्री शाह के पश्चिम बंगाल दौरे को लेकर टीएमसी चीफ ममता बेनर्जी करारा हमला बोला है। ममता ने कहा कि शकुनि का चेला दुशासन बंगाल में जानकारी इकट्ठा करने आया है। जैसे ही चुनाव आते हैं, दुशासन और दुर्योधन दिखने लगते हैं। आज वे कह रहे हैं कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी। पेट्रापोल और अंडाल में ज़मीन किसने दी? घुसपैठिए सिर्फ़ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा है, तो क्या आपने पहलगाम में हमला किया था? दिल्ली में हुई घटना के पीछे कौन था?

इस बार खेला का नाम फाटाफटी होगा

ममता ने कहा कि हम बंगाल जीतेंगे और उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से देश से बाहर निकाल देंगे। चुनाव आयोग भाजपा का बड़ा दलाल है। भाजपा हमेशा नहीं रहेगी। एसआईआर की वजह से 57 लोगों की मौत हुई है, उनके नाम पर स्मृति बेदी बनाई जाएगी। मुझे गोली मार के हत्या कर दो, सारी समस्या का समाधान हो जाएगा, लेकिन वह भी नहीं कर पाओगे। इस बार के खेला का नाम फाटाफटी होगा।

बंगाल की पहचान डर और भ्रष्टाचार से हो रही

शाह ने कहा कि बंगाल के लिए आज से अप्रैल तक का समय बेहद अहम है, क्योंकि इस दौरान राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 साल में टीएमसी सरकार के शासन में राज्य में भय, भ्रष्टाचार और गलत प्रशासन फैला है, जिसके कारण बंगाल में आम नागरिकों में चिंता का माहौल बन गया है। शाह ने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण बंगाल का विकास रुक गया है। प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याण योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की भेंट चढ़ गई हैं। बंगाल की पहचान डर और भ्रष्टाचार बन गई है।

मैंने सीएम ममता को 7 बार किया आगाह, पत्र भी लिखा

शाह ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने खुद ममता को सात पत्र लिखे हैं, लेकिन राज्य सरकार अब तक जमीन नहीं दे रही है। अमित शाह ने बताया कि पिछले छह साल में गृह सचिव तीन बार बंगाल गए और राज्य के मुख्य सचिव के साथ बैठकें भी हुईं, इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने सवाल किया कि टीएमसी सरकार को जमीन देने में किस बात का डर है और क्या राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। शाह ने आरोप लगाया कि बंगाल सरकार घुसपैठियों के दस्तावेज बना रही है, जिससे घुसपैठ लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार घुसपैठ रोकने में पूरी तरह नाकाम रही है और इससे बंगाल की जनसंख्या संरचना तेजी से बदल रही है, जो बेहद चिंताजनक है।

अगले साल बंगाल में भाजपा बनाएगी सरकार, आंकड़े भी किए पेश

शाह ने जोर दिया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजापा बंगाल में दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। शाह ने आंकड़े गिनाते हुए कहा कि 2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा को 17% वोट और तीन सीटें मिलीं। 2019 लोकसभा चुनाव में वोट बढ़कर 41% और सीटें 18 हो गईं। 2021 विधानसभा चुनाव में भाजपा को 21% वोट और 77 सीटें मिलीं और 2024 लोकसभा चुनाव में पार्टी को 39% वोट और 12 सीटें मिलीं। जो पार्टी 2016 में सिर्फ 3 सीटों पर थी, वह 5साल में 77 सीटों तक पहुंच गई। कांग्रेस शून्य पर पहुंच गई और वाम दलों को एक भी सीट नहीं मिली।

अधीर रंजन ने पीएम से की कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इस समय में यह बैठक खास अहमियत रखती है क्योंकि बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले साल मार्च-अप्रैल में होने हैं। इस मुलाकात में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें बंगाल में एसआईआर को लेकर चिंताएं शामिल थीं। इसके अलावा कई राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ हिंसा की अलग-अलग घटनाओं पर भी बातचीत हुई। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान कांग्रेस सांसद ने देश के अलग-अलग हिस्सों, खासकर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषा बोलने वाले लोगों पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठाया। चौधरी ने प्रधानमंत्री से मांग की कि वे इस मामले में तुरंत दखल दें, क्योंकि ऐसे हमलों से पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव और हिंसा फैल सकती है।

'सर्व धर्म पूजा' के साथ एनसीसी गणतंत्र दिवस कैंप शुरू

नई दिल्ली। एनसीसी का प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस कैंप प्रारंभ हो गया है। इसकी शुरुआत मंगलवार को दिल्ली कैंट स्थित करिअप्पा परेड ग्राउंड में हुई। यहां पारंपरिक 'सर्व धर्म पूजा' के साथ एनसीसी का कैंप शुरू किया गया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह करीब 1 माह तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न इंटर-डायरेक्टरेट प्रतियोगिताएं होंगी। कैंप में कई अन्य प्रमुख आयोजन भी होंगे।

साणंद में पथराव के बाद तनाव

हालात काबू में, पुलिस ने 42 को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

गुजरात के साणंद में 2 गुटों के बीच टकराव बढ़ने पर पथराव किए जाने की खबर है। तनाव बढ़ने पर मौके पर पहुंची गुजरात पुलिस की टीम ने कई लोगों को अपनी गिरफ्त में भी लिया। पुलिस ने स्थिति को काबू में कर लिया है। कई लोगों को एहतियातन हिरासत में भी लिया गया है। साणंद तालुका में सोमवार को पथराव हुआ। मंगलवार को हालात और खराब हो गए, जब गांव में एक जगह पर आगजनी की गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने ड्रोन की मदद से खेतों में छिपे असामाजिक तत्वों को ढूंढ निकाला। अब तक इस मामले में कुल 42 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

सीट बंटवारे पर महायुति में टकराव सामने आया

अठावले ने लगाया विश्वासघात का आरोप और 38 सीटों पर लड़ने का किया ऐलान

- *केवल सात सीटों का प्रस्ताव देना नहीं था व्यावहारिक*

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

महाराष्ट्र की सियासत में महायुति के भीतर खींचतान खुलकर सामने आ गई है। केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास अठावले ने बीएमसी चुनाव के लिए सीट बंटवारे में अपनी पार्टी को बाहर रखे जाने को विश्वासघात करार दिया। उन्होंने साफ किया कि उनकी पार्टी 38 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी सीटों पर भाजपा और शिवसेना को समर्थन देती रहेगी।

इससे हमारे कार्यकर्ता नाराज थे

अआवले ने कहा कि महायुति के गठन के बाद से उनकी पार्टी पूरी निष्ठा और मजबूती के साथ गठबंधन के साथ खड़ी रही। लेकिन बीएमसी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर जो फैसला हुआ, उससे आरपीआई (ए) के कार्यकर्ताओं में भारी नाराज़गी है। उन्होंने कहा कि देर रात केवल 7 सीटों का प्रस्ताव देना व्यावहारिक नहीं था और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भाजपा ने हमें नजरअंदाज किया

अठावले ने कहा कि नागपुर, अमरावती और औरंगाबाद जैसे कई शहरों में हमें सीटें नहीं दी गईं। नालासोपारा में हमें एक भी सीट नहीं मिली। आरपीआई को भिवंडी में एक सीट मिली। कल्याण-डोम्बिवली में एक भी सीट नहीं दी गई। इसलिए, भाजपा ने कई जगहों पर आरपीआई को नजरअंदाज करने की कोशिश की है।

कांग्रेस नेता राहुल, प्रियंका और वाड्रा पहुंचे सवाई माधोपुर

पूरा परिवार 2 तक ठहरेगा, नेशनल पार्क का लेगा 'नजारा'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा अपने परिवार के साथ मंगलवार को सवाई माधोपुर पहुंचे। गांधी-वाड्रा परिवार का काफिला कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली से सड़क मार्ग से सवाई माधोपुर आया। यह यात्रा निजी बताई जा रही है।

परिवार ने रणथंभौर स्थित होटल शेरबाग में ठहरने की व्यवस्था की है। गांधी-वाड्रा परिवार 2 जनवरी तक रणथंभौर में रहेगा। इस दौरान परिवार रणथंभौर नेशनल पार्क घूमने का भी कार्यक्रम करेगा। परिवार के साथ उनके कुछ करीबी दोस्त भी मौजूद हैं।

परिवार के साथ उनके कुछ करीबी दोस्त भी मौजूद

सुजान शेर बाग होटल में मनाएंगी नया साल

रणथंभौर नेशनल पार्क की सीमाओं से सटा सुजान शेर बाग होटल पर्यटकों को प्रकृति और विलासिता का अनोखा संगम है। इस क्षेत्र में स्थित यह होटल घने जंगलों, प्राचीन खंडहरों और समृद्ध वन्यजीवों से घिरा हुआ है। यहीं नया साल मना सकती हैं।

तीनों परिवार मिलकर रणथंभौर नेशनल पार्क का करेंगे भ्रमण

बताया जा रहा है कि प्रियंका के बेटे रेहान वाड्रा की सगाई दिल्ली निवासी अवीवा बेग से हो चुकी है। ऐसे में गांधी-वाड्रा परिवार के साथ अवीवा बेग के परिवार के भी रणथंभौर पहुंचने की अटकलें हैं। बताया जा रहा है कि तीनों परिवार मिलकर रणथंभौर नेशनल पार्क का भ्रमण करेंगे। रेहान पेशे से फोटोग्राफर हैं और अवीवा बेग भी फोटोग्राफर हैं। दोनों परिवारों की सहमति के बाद दिल्ली में एक बेहद निजी समारोह में रेहान और अवीवा की सगाई संपन्न हुई।

परिवार का रहा रणथंभौर से गहरा लगाव

गांधी-वाड्रा परिवार का रणथंभौर से पुराना और गहरा जुड़ाव रहा है। प्रियंकाअक्सर रणथंभौर आती रहती हैं, जबकि राहुल और सोनिया गांधी भी कई बार यहां आ चुके हैं। प्रियंका का परिवार साल में दो से तीन बार रणथंभौर आता है और नेशनल पार्क में बाघों की अठखेलियां देखने का आनंद लेता है। इस बार भी गांधी-वाड्रा परिवार रणथंभौर पहुंचा है और यहां भ्रमण के साथ नए साल का जश्न मनाने की तैयारी है। हालांकि इस बार सोनिया परिवार के साथ नहीं आईं। बताया जा रहा है कि रेहान और अवीवा की सगाई से जुड़ी कुछ रस्में होटल शेरबाग में हो सकती हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

'कार्तिक जतरा' में बोलीं राष्ट्रपति

जनजातीय समाज आधुनिक शिक्षा, तकनीक को अपनाए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को झारखंड के गुमला जिले के रायडीह प्रखंड में अंतरराज्यीय जन-सांस्कृतिक समागम 'कार्तिक जतरा' में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की अस्मिता और विरासत को संरक्षित रखने की जरूरत पर जोर दिया।

राष्ट्रपति ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के माध्यम से आगे बढ़ें। शिक्षा विकास की सबसे बड़ी पूंजी है और इसके विस्तार-प्रसार से ही समाज तथा राज्य का समग्र विकास संभव है। गुमला निवासी महान जनजातीय नायक पंखराज साहेब कार्तिक उरांव की स्मृति को नमन करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत थे। उन्होंने अपनी माटी और अपने लोगों के लिए समर्पित रखा । उसी भावना के साथ 'कार्तिक जतरा' के से लोग उन्हें याद कर रहे हैं, जो अपने आप में एक सार्थक पहल है।

पशु बाड़े में लगी आग, एक भैंस जिंदा जली, पांच झुलसीं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती रात मलिहाबाद थाना क्षेत्र के मीठे नगर गांव में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब पूर्व प्रधान रविन्द्र के पशु बाड़े में संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

आग की चपेट में आने से एक भैंस की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि पांच अन्य भैंसें बुरी तरह झुलस गईं। इसके साथ ही पशु बाड़े में रखी भूसा, चारा, लकड़ी, चारपाई और अन्य घरेलू सामान भी जलकर राख हो गया।

जलकर राख पशु बाड़ा – फोटो

ग्रामीणों में मची अफरा-तफरी

आग लगते ही गांव में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने किसी तरह पशुओं को बचाने का प्रयास किया और तुरंत समरसेबल पंप की मदद से आग पर काबू पाया। काफी मशक्कत के बाद आग को फैलने से रोका जा सका।

आग लगने का कारण अज्ञात

घटना के बाद आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पीड़ित रविन्द्र उर्फ प्रधान के अनुसार, इस अग्निकांड में उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

प्रशासन से मदद की मांग

पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और जांच की मांग की है, ताकि आग लगने के कारणों का खुलासा हो सके और हुए नुकसान की भरपाई की जा सके।

विधायक आवास पर आयोजित हुआ अटल जन्म शताब्दी समारोह

सरोजनीनगर में अटल जन्म शताब्दी समारोह एवं रकफ संगोष्ठी का भव्य आयोजन, मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा रहे मौजूद

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्रोत, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह जी के आशियाना स्थित विधायक आवास पर ह्यअटल जन्म शताब्दी समारोहह्ण एवं रकफ संगोष्ठी का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर अटल जी के राष्ट्रवादी, मानवीय और दूरदर्शी विचारों से जन-जन को जोड़ने का संकल्प दोहराया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद तथा लखनऊ महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की उपस्थिति रही। अतिथियों ने अटल जी के सुशासन, समावेशी विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित दृष्टिकोण को आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम का समापन अटल जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने और विकसित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। साथ ही सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में रकफ प्रक्रिया के अंतर्गत सभी पात्र मतदाताओं के नाम शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने का संकल्प भी व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में रकफ महानगर संयोजक चेतन बिष्ट, घनश्याम अग्रवाल, संजय लोधी, रेनू सिंह, सौरभ वाल्मीकि, राजेश सिंह, साधना सिंह, सुभाष पासी, पार्षद कौशलेन्द्र द्विवेदी, के. एन. सिंह, कमलेश सिंह, रमा शंकर त्रिपाठी, समस्त मंडल अध्यक्षगण एवं बड़ी संख्या में सरोजनीनगर भाजपा परिवार के पदाधिकारियों, कार्यकताओं की सक्रिय सहभागिता रही।

मलिहाबाद में रवी कृषि निवेश गोष्ठी आयोजित

किसानों को प्राकृतिक खेती व सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

अमन लेखनी समाचार

गोष्ठी में मौजूद कृषि अधिकारी व अन्य

लखनऊ। मंगलवार को मलिहाबाद विकासखंड सभागार में कृषि विभाग द्वारा रवी विकासखंड स्तरीय कृषि निवेश गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक जय देवी ने भाग लिया। गोष्ठी का संचालन सहायक विकास अधिकारी (कृषि) मानवेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर एनएसएफएम के जिला सलाहकार सुरेश राजपूत ने किसानों को प्राकृतिक खेती, रवी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक तथा वर्तमान समय की कृषि चुनौतियों पर जानकारी दी। विधायक जयदेवी ने कहा कि सरकार किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र किसान सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) मानवेन्द्र सिंह ने फार्मर रजिस्ट्री, निःशुल्क मिनीकिट, उन्नत बीजों पर अनुदान, जैव उर्वरक, पीएम किसान, कृषि यंत्र अनुदान, किसान क्रेडिट कार्ड तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत कृषक अंश जमा करने की इसी माह अंतिम तिथि निर्धारित है। कार्यक्रम में कृषि विभाग के तकनीकी सहायक विनोद यादव, राहुल गुप्ता, कमलेश यादव, खंड तकनीकी प्रबंधक माधवेंद्र सिंह चौहान, तकनीकी सहायक विमल सिंह व वैभव श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

प्रसाद हॉस्पिटल में गर्भवती विवाहिता की इलाज के दौरान मौत,

परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का लगाया आरोप और जमकर किया हंगामा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के प्रसाद हॉस्पिटल में मंगलवार सुबह एक गर्भवती विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने किसी तरह उन्हें समझा बुझाकर शांत किया। बाद में पीड़ित परिजन मृतका का शव लेकर अपने घर चले गए। उन्नाव जिले के दही चौकी थाना अंतर्गत सराय कटियार गांव निवासी इलेक्ट्रीशियन प्रदीप कुमार की 23 वर्षीय पत्नी अंजली देवी डेढ़ माह की गर्भवती थी। पिछले करीब 15 दिनों से उसके ब्लीडिंग होने के साथ वह बीमार चल रही थी। मंगलवार तड़के करीब 4 बजे प्रदीप उसे बंथरा के जुनाबगंज स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में इलाज कराने के लिए लाया। जहां भर्ती होने के बाद इलाज के दौरान सुबह करीब 9 बजे अंजलि की मौत हो गई। इसकी जानकारी होते ही परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। घटना की सूचना बंथरा पुलिस को मिली तो वह मौके पर पहुंची और उसने समझा बुझाकर उन्हें शांत किया। वहीं इस मामले में मृतका के पिता उन्नाव के अचलगंज थाना अंतर्गत टीका खेड़ा जमुका निवासी जयप्रकाश नारायण का कहना है कि करीब 2 वर्ष पहले उन्होंने अपनी बेटी अंजलि की शादी प्रदीप के साथ की थी। अंजलि गर्भवती होने के बाद करीब 15 दिनों से बीमार चल रही थी। जिसको लेकर प्रदीप उसका उन्नाव स्थित एक अस्पताल में इलाज करा रहा था। लेकिन वहां उसकी हालत में कोई सुधार न होने पर बीती रात 2 बजे प्रदीप ने वहां से डिस्चार्ज करा लिया और अंजलि को इलाज के लिए प्रसाद हॉस्पिटल लाया। मंगलवार तड़के 4 बजे अस्पताल पहुंचने के बाद भर्ती कर उसका इलाज चल रहा था।तभी अंजलि ने दम तोड़ दिया।इस मामले में मृतका के पिता ने किसी के ऊपर कोई आरोप नहीं लगाया है। उसका कहना है कि उसकी बीमारी से मौत हुई है। उन्होंने उसका पोस्टमार्टम कराने से भी इनकार कर दिया। फिलहाल पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

पिछड़ा वर्ग के सर्वांगीण सशक्तीकरण को प्राथमिकता दे रही सरकार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के वंचित, पिछड़े वर्ग एवं दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ठोस, संवेदनशील और परिणामोन्मुखी नीतियों पर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी, समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए।

बैठक में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की समीक्षा करते हुए मंत्री कश्यप ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि मंडल स्तर पर कार्यशालाओं, जागरूकता कार्यक्रमों और प्रचार-प्रसार गतिविधियों के माध्यम से इन विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक सुविधाओं, पाठ्यक्रमों एवं अवसरों की जानकारी दिव्यांगजन तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा से जुड़ सकें। उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। साथ ही विश्वविद्यालय परिसरों में चल रहे निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि योजनाओं की वास्तविक प्रगति तभी मानी जाती है जब उसका सीधा लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएं तथा जिन जिलों में प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, वहां संबंधित जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों की गति बढ़ाई जाए। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में शादी अनुदान योजना के अंतर्गत अब तक 72,690 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है। वहीं छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 12,76,303 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की समीक्षा में बताया गया कि वर्तमान में 11,88,425 दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन तथा 13,357 लाभार्थियों को कुष्ठावस्था पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। निःशुल्क बस यात्रा योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष में अब तक 16,97,319 दिव्यांगजन एवं उनके सहयोगियों ने राज्य परिवहन की बस सेवाओं का लाभ प्राप्त किया है। मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य निधि का उपयोग पूरी संवेदनशीलता के साथ दिव्यांगजनों के हितों में किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग ने हासिल किये नये मुकाम

अमन लेखनी समाचार

- **लघु-कुटीर उद्योगों के प्रोत्साहन और स्वरोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग ने इस वर्ष अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और स्वरोजगार के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग ने विभिन्न योजनाओं का सफल संचालन कर कौशल विकास और विपणन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। इस वर्ष विभाग ने अधिकांश योजनाओं में लक्ष्य से अधिक उपलब्धियां हासिल की, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने एवं युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की ओर से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 में लक्ष्य से अधिक 2,994 ग्रामोद्योग इकाइयों की स्थापना हुई और 32,384 रोजगार का सृजन किया गया जबकि इस वर्ष का लक्ष्य 2,482 इकाइयों की स्थापना कर 27,302 रोजगार सृजित करने का ही था। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत भी प्रदेश में 94 नई इकाइयों की स्थापना की गई, जिसके माध्यम से 2,586 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया। खादी एवं ग्रामोद्योग का यह प्रयास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पं. दीनदयाल उपाध्याय खादी विपणन विकास सहायता योजना के तहत प्रदेश की 219 खादी ग्रामोद्योग संस्थाओं के 66,859 कारीगरों को लाभ पहुंचाया गया। वहीं सूती और ऊनी वस्त्रों के निर्माण को दिए जा रहे प्रोत्साहन के तहत 7,448 कम्बलों का उत्पादन हुआ है। विभाग की यह योजनाएं खादी उत्पादों के विपणन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। प्रदेश की लगभग 1,092 ग्रामोद्योग इकाइयों को लाभान्वित किया गया जो ग्रामीण क्षेत्रों में लघु एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने में सहायक सिद्ध हुई। खादी वस्त्रों को आधुनिक एवं युवाओं के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), रायबरेली के सहयोग से खादी वस्त्रों की डिजाइनिंग, कटिंग, सिलाई और पैकेजिंग का प्रशिक्षण देने का अनुबंध किया गया है। इसके तहत पिछले साल 40 युवा कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। इस वर्ष इस क्रम में विभाग ने 30 लाख रुपये का प्रावधान किया। विभाग की ओर से खादी उत्पाद के विकास, मानकीकरण एवं गुणवत्ता विनिश्चय अभियान के तहत 59 लाख रुपये की लागत से 245 व्यक्तियों को प्रशिक्षण एवं उपकरण वितरण किया गया। विभाग की कौशल सुधार प्रशिक्षण योजना के तहत 8,750 लाभार्थियों को विभिन्न ट्रेड्स में कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सरकार ने 755 लाख रुपये व्यय कर प्रदेश के 18 मंडलों में प्रदर्शनियां और 351 तहसीलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इससे ग्रामीण उद्यमियों की न केवल नए बाजारों तक पहुंच बढ़ी है, उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। सरकार की नीतियां आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही हैं।

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्षों में अयोध्या ने लिखी विकास की महागाथा

विकास और विरासत का जीवंत उदाहरण बनी अयोध्या नगरी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अयोध्या अब केवल एक धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि गौरवशाली नवीन भारत के आत्मविश्वास का जीवंत प्रतीक बन चुकी है। श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को दो वर्ष पूरे होने के साथ ही अयोध्या ने यह साबित कर दिया है कि विरासत और विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या का कायाकल्प एक ऐसी गाथा बन चुका है, जिसमें आस्था, समृद्ध अर्थव्यवस्था, युवाओं के लिए रोजगार और भविष्य की स्पष्ट दिशा समाहित है।

श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनी, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का स्थायी स्तंभ भी। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में ऐतिहासिक वृद्धि हुई। इस साल जनवरी-जून के बीच लगभग 23 करोड़ से ज्यादा पर्यटक रामनगरी आए और यहां के विकास और समृद्धि से आश्चर्यचकित हो गए। लगभग 85 हजार करोड़ की परियोजनाओं से अयोध्या वर्ल्ड क्लास शहर का रूप ले रहा है। इसका श्रेय विकसित अयोध्या के शिल्पकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित किया कि श्रद्धालु सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गरिमामय अनुभव के साथ रामनगरी आकर भगवान प्रभु श्रीराम का दर्शन करें। सरकार ने अयोध्या को इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर का महर्षि वाल्मिकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, चौड़ी और सुदृढ़ सड़कों का नेटवर्क, आधुनिक रेलवे स्टेशन, रामपथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ ये सब अयोध्या को एक आधुनिक तीर्थ और पर्यटन नगरी में बदल रहे हैं। यह विकास केवल इमारतों तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, रोजगार और स्थानीय उद्यमिता को नई गति दे रहा है। अयोध्या आज उत्तर प्रदेश के पर्यटन का केंद्र है। धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक और हेरिटेज टूरिज्म को योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा दिया गया। होटल, होम-स्टे, गाइड, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यवसायों को नई पहचान मिली। सरकार ने आस्था से आय और आय से आत्मनिर्भरता का नया रोडमैप तैयार किया है। अयोध्या मंडल में 19 गांवों को विशेष रूप से होम स्टे विकास के लिए चयनित किया गया है। अयोध्या जिले में अमौनी, शेरवाघाट, अबानपुर सरोहा, गौराघाट, रामपुरवा गांवों में 50 होम स्टे पर काम चल रहा है। इसमें से ज्यादातर होम स्टे ठहरने की सुविधा उपलब्ध करवा रहे हैं। अब तक जिले में 1136 से ज्यादा होम स्टे रजिस्टर्ड हो चुके हैं जो पर्यटकों को ठहरने के लिए उचित रेट पर आवास उपलब्ध करा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के होटल भी विदेशी पर्यटकों को वर्ल्ड क्लास सुविधा प्रदान कर रहे हैं। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभार्थी बना है प्रदेश का युवा। टूरिज्म, एविएशन, ट्रांसपोर्ट, सुरक्षा, इवेंट मैनेजमेंट और सेवा क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर खुले हैं। अयोध्या अब पलायन का कारण नहीं, बल्कि रोजगार का केंद्र बन रही है। होटल, ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स, हस्तशिल्प, हथकरघा, मल्टीनेशनल कंपनियों में युवाओं को मनमाफिक रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

अज्ञात बदमाशों ने सैन्यकर्मी से पिट्ठू बैग व हेलमेट लूटा

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक सैन्यकर्मी से अज्ञात बदमाशों ने पिट्ठू बैग व हेलमेट लूट लिया। बिजनौर के रॉयल सिटी फेस-टू, रामनगर कॉलोनी निवासी आर्मी में तैनात सैन्य कर्मी देवेन्द्र कुमार के मुताबिक वह 28 दिसंबर की शाम करीब 6:15 बजे किसी कार्य से अपने मूल गांव रायबरेली के सरेनी स्थित गहरौली जा रहे थे, लेकिन कुछ दूर जाने के बाद किसी कारणवश रास्ते से वापस लौटने लगे। तभी लौटते समय रुद्रिमा इंक्लेव के पास बाइक रोककर सड़क किनारे पेशाब करने चले गये। इसी दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर एक युवक उनकी बाइक की सीट पर रखा पिट्ठू बैग और बाइक में टंगा हेलमेट लेकर भाग निकला। बैग में एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, कैंटीन कार्ड तथा करीब 2500 रुपये रखे थे। पीड़ित ने बदमाश को दौड़ाकर पकड़ने की कोशिश की तो विरोध करने पर छीना-झपटी में बदमाश ने सैन्यकर्मी का आईकार्ड भी छीन लिया। पीड़ित का कहना है कि घटना में उसके दो अन्य साथी भी शामिल थे। बाद में काफी तलाश के बाद भी सामान नहीं मिला। फिलहाल बिजनौर पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

राम मंदिर में प्रतिष्ठा द्वादशी महोत्सव में रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री की रहेगी उपस्थिति

- **प्रतिष्ठा द्वादशी पर अयोध्या में भव्य आयोजन, मां अन्नपूर्णा मंदिर पर ध्वजारोहण**

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या भक्ति, श्रद्धा और धार्मिक उल्लास से सराबोर है। भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर राम मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से 27 दिसंबर से शुरू हुए पांच दिवसीय महोत्सव का मुख्य समारोह बुधवार को होगा, जिसमें देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस ऐतिहासिक आयोजन में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। प्राण प्रतिष्ठा मूल रूप से 22 जनवरी 2024 को पौष शुक्ल द्वादशी तिथि पर संपन्न हुई थी, जिसे हिंदू पंचांग के अनुसार प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह तिथि 31 दिसंबर को पड़ रही है। ट्रस्ट के अनुसार, अनुष्ठान जगद्गुरु मध्वाचार्य की देखरेख में संपन्न हो रहे हैं। राम मंदिर परिसर में रामचरितमानस के संगीतमय पाठ, रामकथा प्रवचन, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झड़ी लगी हुई है। अंगद टीला पर भव्य पंडाल बनाए गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार सुबह करीब 11 बजे अयोध्या पहुंचेंगे। वे राम मंदिर परिसर में रामलला के दर्शन-पूजन करेंगे तथा मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। इसके पश्चात वे राम मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे, जिनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। अयोध्या एयरपोर्ट पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। रामनगरी में चारों ओर जय श्रीराम के उद्घोष गूंज रहे हैं। लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। यह उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि राम मंदिर के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक जागरण को भी रेखांकित करता है। दोनों नेता अंगद टीला पर जनता को संबोधित भी करेंगे।

पीजीआई इलाके में साइबर ठगी, 67 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति से साइबर ठगों ने हजारों रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, आनंद शुक्ला अपने परिवार के साथ सेक्टर-9सी, वृन्दावन योजना-2 में रहते हैं। पीड़ित ने बताया कि 12 और 13 दिसंबर को कल्याण सिंह प्रतिनिधि बताने वाले श्री श्याम ट्रेडर्स, घड़ी गोल चक्कर पुस्ता रोड, नोएडा सेक्टर-68 (उत्तर प्रदेश) निवासी एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया। आरोपी ने व्यवसाय के नाम पर सीमेंट की बोरियों की सप्लाई का झांसा देकर उनसे 67,000 रुपये (सड़सठ हजार रुपये मात्र) ले लिए। पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने भरोसा दिलाया था कि प्राप्त धनराशि से सीमेंट की सप्लाई समय पर कर दी जाएगी, लेकिन पैसे लेने के बाद न तो कोई सामग्री दी गई और न ही रकम वापस की गई।

सरोजनीनगर में दो अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों दो अलग-अलग स्थानों से अज्ञात चोरों ने दो मोटरसाइकिलें चोरी कर लीं। पहली घटना अमौसी के गीता आश्रम, गंगा नगर की है। यहां रहने वाली प्रियंका त्रिवेदी के मुताबिक उनकी पल्सर बाइक संख्या (यूपी 32 केके 6282) 23 दिसंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे घर के बाहर खड़ी थी। दोपहर 3:30 बजे बाहर आने पर बाइक मौके से गायब मिली। काफी खोजबीन के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़िता ने बताया कि बाइक की सीट के नीचे सभी कागजात और पति का ड्राइविंग लाइसेंस रखा था। वहीं दूसरी घटना नादरगंज क्षेत्र की है। आलमबाग के नया सरदारी खेड़ा आलमबाग निवासी रमेश के मुताबिक उनकी हीरो स्प्लेंडर बाइक संख्या (यूपी32 क्यूई 3095) 26 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे राजश्री कंपनी के पास से चोरी हो गई। पीड़ित ने भी काफी तलाश की, लेकिन बाइक नहीं मिली। दोनों मामलों में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

संक्षेप

लोडर व डीसीएम की आमने सामने भिड़ंत दोनो चालक सुरक्षित

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। सोमवार की देर रात लोडर व डी सी एम के बीच हुई सम्यक भिड़ंत में दोनो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए गनीमत रही दोनों के चालक बाल बाल बच गए किंतु घटना के दौरान करीब आधा घंटा तक जाम की स्थित बनी रही।

चालक सलीम निवासी बंदाऊ डी सी एम में उन्नाव क्षेत्र से पशु आहार लोडकर बंदाऊ लेकर जा रहा था तभी सोमवार को देर शाम बांगरमऊ क्षेत्र में हरदोई उन्नाव मार्ग पर मरी कंपनी मोड के निकट सामने से आ रहे एक लोडर से उसकी आमने सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई इस हादसे के दौरान दोनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए गनीमत रही दोनों के चालक बाल बाल बच गए इस हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का रेस्क्यू कर आवागमन बहाल कराया इस दौरान करीब आधे घंटा यातायात प्रभावित हुआ।

किसान की फसल को दबंगो ने किया तहस नहस

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। एक किसान द्वारा बोई गई लहलहाती फसल को रात के समय कई लोगो द्वारा एक राय होकर जोतकर बर्बाद कर दिया गया पीड़ित किसान ने पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। बांगरमऊ के गांव डडिया सुनौरा निवासी गोविंद पुत्र मोहनलाल व रामदुलारी पत्नी रामनारायण दोनों ने एक साथ पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि गांव स्थित उसके खेत में बोई गई सरसों की फसल को गांव निवासी कई लोगो द्वारा एक राय होकर 28 दिसंबर की रात करीब 11 बजे से 12 बजे के मध्य उसके खेत में ट्रेक्टर से जुताई कराकर सारी फसल बर्बाद कर दी ।पीड़ितो ने आरोपियों को नामित करते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की है।

निराश्रित असहाय लोगों को कंबल देकर किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र की बक्सर चौकी में क्षेत्राधिकारी मधुप नाथ मिश्रा, थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा ने 25 निराश्रित असहाय लोगों को कंबल देकर सम्मानित किया ।बक्सर चौकी में चौकी क्षेत्र के असहाय निराश्रित महिला व पुरुषों को सी ओ धर्मेंद्र नाथ मिश्रा व एस ओ धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा ने कंबल देकर सम्मानित किया। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दान का बड़ा महत्व है, जो देता है वही देवता है। चौकी इंचार्ज राजेंद्र कुमार मिश्रा ने निराश्रित लोगों को माला पहना कर सम्मानित किया।

उर्वरक की दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उर्वरकों की कालाबाजारी और अनियमित बिक्री रोकने के लिए जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सफीपुर क्षेत्र में उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर दो उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए, जबकि पांच प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने निरीक्षण के दौरान उर्वरक दुकानों पर स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड, वितरण रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर, कैश मेमो और पीओएस मशीन की उपलब्धता तथा उपयोग की गहन जांच की। जांच में पाया गया कि कई दुकानों पर आवश्यक अभिलेख अधूरे थे, स्टॉक बोर्ड व रेट बोर्ड नहीं लगे थे, और वितरण रजिस्टर व कैश मेमो में गड़बड़ी मिली। अनियमितता पाए जाने पर बाबू यादव कृषि सेवा केंद्र मेथीटीकूर सफीपुर, तिरुपति बालाजी खाद भंडार मेथीटीकूर सफीपुर, शिव खाद केंद्र मिजार्पुर कला मियागंज, भोला कृषि सेवा केंद्र रसूलाबाद, नागेश कृषि सेवा केंद्र रसूलाबाद और शोभम कृषि सेवा केंद्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने इन सभी प्रतिष्ठानों से निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब मांगा है। वहीं, पारस खाद भंडार का प्रतिष्ठान निरीक्षण के समय बंद मिला। जय बालाजी खाद भंडार रसूलाबाद द्वारा पीओएस मशीन प्रस्तुत नहीं की गई। इन गंभीर अनियमितताओं के कारण दोनों उर्वरक विक्रेताओं के उर्वरक प्राधिकार पत्र तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि वे नियमानुसार ही उर्वरक की बिक्री करें। प्रत्येक दुकान पर रेट बोर्ड, स्टॉक बोर्ड, कैश मेमो, वितरण रजिस्टर और स्टॉक रजिस्टर अनिवार्य रूप से रखें। उन्होंने यह भी कहा कि दुकानें बिना सूचना बंद न की जाएं और उर्वरक का वितरण केवल निर्धारित मूल्य पर ही किसानों को खतौनी के आधार पर किया जाए। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को आश्वस्त किया कि जनपद में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। वर्तमान में जिले में यूरिया 9047 मीट्रिक टन, डीएपी 4023 मीट्रिक टन तथा एनपीके 4455 मीट्रिक टन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कड़ाके की ठंड के बावजूद भी नहीं जले अलाव

अमन लेखनी समाचार

असोहा, उन्नाव। इन दिनों पड़ रही हांड कपाऊ ठंड से जन जीवन अस्त व्यस्त सा हो गया है , उसके बावजूद भी सरकार की ओर से जलने वाले अलावो का दूर-दूर तक कहीं अता पता नहीं है इधर लगभग एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अलाव बुझे पड़े हैं भारी सर्दी से बचाव के लिए लोग आग के सहारे जीवन काट रहे हैं हर बार सर्दी के मौसम में गरीबों में प्रशासन की ओर से कंबलों का वितरण होता रहा है ।साशन द्वारा चिन्हित स्थानों पर भी अभी तक कही भी अलाव नहीं जलाए गए है । सबसे बुरा हाल मजदूर व राह गीरो का है , सर्दी से बचने के लिये आग का सहारा लेते हुए नजर आ रहे है हांड कपाऊ ठंड को देखते हुए विद्यालयों में भी एक जनवरी तक छुट्टी कर दी गई । लोगो का कहना है कि छेत्र सहित शाशन द्वारा चिन्हित स्थानों पर कही भी अलाव नही जलाए जा रहे है ,हा वो अलग बात है कि कागजो में जगह जगह आलाव जला कर शाशन को रिपोर्ट भेज कर अधिकारीयो ने इतिश्री करते हुए अपने अपने नम्बर बढ़ा लिए है ।

युद्धपोत के चालक दल में शामिल होकर युवक ने जनपद का नाम किया रोशन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला कटरा निवासी एक नौसैनिक ने आईएनएसवी कौंडिन्य नामक पुरातन युद्धपोत के चालक दल में शामिल होकर इतिहास रच दिया। इस मेधावी एवं निडर युवक ने बीते सोमवार को चालक दल के साथ पोरबंदर गुजरात से मस्कत ओमान के लिए निर्धारित मिशन पर रवाना होकर नगर और जिले का नाम रोशन कर दिया। इस मौके पर भारत में ओमान के राजदूत ईसा सालेह अल शिबानी भी मौजूद रहे।

मोहल्ला कटरा निवासी कृष्ण मुरारी द्विवेदी के बेटे हर्षित द्विवेदी ने प्राथमिक से लेकर इंटर तक की शिक्षा नगर के ही आरआरडीएस इंटर कालेज से प्राप्त की है। वर्ष 2016 में इंटर की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करते ही इस मेधावी छात्र ने अपनी मेहनत के दम पर 'डायरेक्ट एंट्री' के माध्यम से भारतीय नौसेना में स्थान प्राप्त किया। करीब 9 साल की सेवा के बाद वह प्राचीन विरासत बगैर कील के नौसेना पोत आईएनएसवी कौंडिन्य ₹स्टिच्ड-प्लैंक₹ के 18 सदस्यीय चालक दल में शामिल हो गए और बीते सोमवार को इस पुरातन जहाज के जरिए पोरबंदर से मस्कत तक की करीब 1400 किलोमीटर की यात्रा पर रवाना हो गए।

नौसैनिक हर्षित ने इस यात्रा पर जाने के पहले दूरभाष पर जानकारी दी कि यात्रा का प्रमुख उद्देश्य दो हजार वर्ष पुरानी भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपनी मां सुमन द्विवेदी और पिता कृष्ण मुरारी द्विवेदी तथा गुरुजनों को दिया है। आज मंगलवार की सुबह हर्षित की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की खबर मिलते ही नगर एवं क्षेत्र के सैकड़ों लोग उनके आवास पहुंचे और नौसैनिक के माता-पिता का मुंह मीठा कराया। साथ ही पोत के चालक दल के लिए परमात्मा से सुरक्षित और सफल यात्रा की कामना की।

कोहरे ने दी राहत कड़ाकेदार ठंड व सर्द हवा जारी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मंगलवार सुबह घना कोहरा छंटने से वाहन चालकों को कुछ राहत मिली, लेकिन कड़ाके की ठंड और सर्द हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित किया। न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे ठिठुरन बढ़ गई। बीते कई दिनों से घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी, लेकिन मंगलवार सुबह मौसम साफ रहने से सड़कों पर आवागमन अपेक्षाकृत सुचारू रहा। हालांकि, नेशनल हाईवे-27 और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर रात के समय वाहन धीमी गति से चलते दिखे। ठंडी हवाओं और कम तापमान के कारण देर रात और तड़के वाहन चालकों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा। गंगा पुल पर भी सुरक्षा कारणों से वाहनों की गति धीमी बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह जिले का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में 61 प्रतिशत आर्द्रता दर्ज की गई, जबकि लगभग 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवाओं ने ठिठुरन और बढ़ा दी। ठंड से बचने के लिए लोग सुबह-शाम अलाव का सहारा लेते दिखे और बाजारों में गर्म कपड़ों की खरीदारी में तेजी आई। सुबह के समय आवश्यक काम से निकलने वाले युवा ऊनी कपड़ों में लिपटे नजर आए, वहीं बुजुर्गों और बीमार लोगों ने घरों में ही रहना उचित समझा। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान भी खेतों में काम के लिए देर से निकले। प्रशासन ने वाहन चालकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है। विशेषकर हाईवे, एक्सप्रेस-वे और पुलों पर तेज गति से वाहन न चलाने, फॉग लाइट और हेडलाइट का सही उपयोग करने तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और यातायात विभाग की टीमें संवेदनशील स्थानों पर निगरानी कर रही हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। ऐसे में लोगों को ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

शोरूम के बाहर खड़ी स्कूटी चोरों ने किया पार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के राजधानी मार्ग स्थित जूडीओ शोरूम के बाहर का है, जहां दिनदहाड़े खड़ी एक स्कूटी चोरी हो गई। चोरी की यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिससे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़ित शादिक अपनी स्कूटी जूडीओ शोरूम के बाहर खड़ी कर किसी काम से अंदर गए थे। इसी दौरान एक युवक चेहरे पर रुमाल बांधे हुए मौके पर पहुंचा। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चोर पहले आसपास की स्थिति का जायजा लेता है, फिर बड़ी सहजता से स्कूटी के पास आता है और कुछ ही सेकंड में उसे स्टार्ट कर मौके से फरार हो जाता है। यह पूरी वारदात कुछ ही मिनटों में अंजाम दी गई। जब पीड़ित शादिक बाहर आए तो उन्हें अपनी स्कूटी गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी स्कूटी का कोई सुराग न मिलने पर उन्होंने गंगाघाट कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि राजधानी मार्ग जैसे व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े चोरी की घटना होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। व्यापारियों और राहगीरों में भी इस घटना को लेकर चिंता का माहौल है। लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में पुलिस गश्त पर्याप्त नहीं होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं। गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने बताया कि इलाके में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि चोर के भागने के रास्ते और उसकी पहचान से जुड़ी अहम जानकारियां जुटाई जा सकें। साथ ही पुलिस ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अपनाएं और सार्वजनिक स्थानों पर वाहन खड़ा करते समय सतर्क रहें।

अनियंत्रित मोपेड से नीचे गिरकर युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र के रुकना पुर गांव निवासी राजू पुत्र सूरज बली 56 गांव के बाहर अमरुद के बगीचे में झोपड़ी बना कर परिवार के साथ रहता था सोमवार की दोपहर मोपेड से अमरुद बेचने के लिए गुलाब खेडा गांव की साप्ताहिक बाजार गया था जहां से देर शाम वापस लौट रहा था इसी बीच बगीचे के पास रास्ते में ढलान पर मोपेड अनियंत्रित होकर पलट जाने से गभींर रुप से घायल हो गया और रात भर वहीं पडा रहा समय से इलाज नहीं मिला जिससे उसकी मौत हो गयी मंगलवार सुबह परिजनों ने देखा तो घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मृतक राजू की पत्नी की पंद्रह साल पहले मौत हो चुकी है और वह बच्चों के साथ गांव के बाहर अमरुद के बगीचे में झोपड़ी बना कर रहता था नौ दिन पहले मृतक की बेटी सुभाषिनी ने अमरुद के बगीचे में ही फासी लगा कर आत्महत्या कर ली थी परिजन अभी सदमे से उबर भी नहीं पाए थे कि दूसरी घटना में पिता की मौत हो गयी छोटी बेटी नेहा दो बेटे विकास व महावीर हैं पिता की मौत से बच्चे अनाथ हो गए मां की पहले ही मौत हो चुकी थी मृतक का अंतिम संस्कार बुधवार को परियर घाट पर किया जायेगा।

पति से विवाद के बाद पत्नी चढ़ी पानी की टंकी पर मधु मक्खियों के हमले से हुई घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित काशीराम कॉलोनी में मंगलवार को पति-पत्नी के घरेलू विवाद ने उस समय सनसनी फैला दी, जब विवाद से आहत पत्नी सलमा पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और परिजनों को सूचना दी। जानकारी के मुताबिक पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि सलमा गुस्से और मानसिक तनाव में घर से बाहर निकल गई और पास ही बनी पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गई। महिला को टंकी पर चढ़ा देख आसपास के लोग घबरा गए और उसे नीचे उतारने की कोशिशें शुरू हो गईं ।पत्नी के टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलने पर पति भी उसे समझाने और सुरक्षित नीचे उतारने के लिए ऊपर पहुंचा। इसी दौरान टंकी के पास बने मधुमक्खियों के छत्ते में हलचल हो गई और अचानक मधुमक्खियों ने पति-पत्नी पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दोनों खुद को बचाने का प्रयास करने लगे, लेकिन सलमा को ज्यादा डंक लग गए, जिससे वह घायल हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए किसी तरह मधुमक्खियों से बचाव किया और पति-पत्नी दोनों को सुरक्षित नीचे उतारा। स्थानीय निवासी लकी ने बताया पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद महिला सलमा पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। वह लोग काम पर गए हुए थे और वापस लौटने पर उन्होंने इलाके में हंगामा देखा। बाद में जानकारी मिली कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब वे अस्पताल पहुंचे तो सलमा इलाज के दौरान लेटी हुई थीं। मानवीय संवेदना के चलते वे उन्हें देखने पहुंचे। फिलहाल महिला का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद घायल सलमा को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने उसका इलाज शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार महिला को मधुमक्खियों के कई डंक लगे हैं, हालांकि उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है। सूचना मिलने पर सदर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने पति-पत्नी और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि यह मामला घरेलू विवाद से जुड़ा है और फिलहाल किसी आपराधिक मंशा के संकेत नहीं मिले हैं। घटना के बाद काशीराम कॉलोनी में देर तक चर्चा का माहौल बना रहा, जबकि लोग घरेलू विवाद के ऐसे गंभीर रूप लेने पर चिंता जता रहे हैं।

पंचायत निर्वाचक नामावली में अनियमितता के आरोप लगाते हुए प्रधान ने उपजिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र सौंपा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र की ग्राम पंचायत ततियापुर के प्रधान मनीराम यादव ने पंचायत निर्वाचक नामावली में अनियमितता का आरोप लगाते हुए उपजिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र सौंपा है। पत्र में उन्होंने बीएलओ द्वारा मनमानी किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। उपजिला निर्वाचन अधिकारी बृजमोहन शुक्ला को सौंपे गए पत्र में ग्राम प्रधान ने बताया कि पंचायत निर्वाचन नामावली के निर्माण के लिए शिक्षामित्र नरेश बाबू को बीएलओ नियुक्त किया गया है। लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। आरोप है कि विपक्षियों के इशारे पर गांव के कुलदीप, जगरानी, शिवराम, राजेंद्र, रेशमा, ओमप्रकाश, दिनेश कुमार सहित करीब एक सैकड़ा पात्र ग्रामीणों के नाम विलोपित सूची में डाल दिए गए हैं। जबकि इन सभी ग्रामीणों के पास निवास से संबंधित आवश्यक साक्ष्य उपलब्ध हैं। प्रधान ने बताया कि संबंधित ग्रामीणों के नाम विधानसभा और लोकसभा की मतदाता सूची में दर्ज हैं तथा सभी ने एसआईआर फार्म भी भर रखे हैं। इसके बावजूद उनके नाम पंचायत निर्वाचक नामावली से हटाए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर दर्जनों नाबालिग बच्चों के नाम मतदाता सूची में जोड़ दिए गए हैं। ग्राम प्रधान का आरोप है कि जब इस संबंध में बीएलओ से फोन पर संपर्क किया गया तो वह टालमटोल करता रहा और अब फोन उठाना भी बंद कर दिया है। प्रधान ने कहा है कि यदि पात्रों के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए तो वे अपने अधिकारों से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने नाबालिगों के नाम काटने और पात्र ग्रामीणों के नाम तत्काल जोड़ने की मांग की है।

दो ट्रकों की आमने सामने भिड़ंत दोनो चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। सोमवार की बीती देर रात लगभग दो बजे दो ट्रकों की आमने सामने से टक्कर हो गयी जिसमें दोनों ही ट्रक ड्राइबरों की जान पर बनआई रोड के अगल बगल के रहने वालों ने पुलिस को सूचना दी जहां स्थानीय लोगों व पुलिस की मदद से गाड़ियों में फसें ड्राइबरों को बाहर निकाला गया और स्थानीय,सीएचसी भेजवाया गया जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की गम्भीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल उन्नाव के लिये रेफर कर दिया गया ! प्राप्त विवरण के अनुसार 29 दिसम्बर2025 की बीती रात समय लगभग दो बजें गाड़ी संख्या यूपी92ळ9515 चालक सुजात उम्र35 वर्ष पुत्र बाबू शाह निवासी कासी नाथ जिला जालौन जो जालौन से मटर लादकर उन्नाव की तरफ से पुरवा होते हुए जनपद बस्ती जारहा था वहीं दूसरा ट्रक संख्या यूपी84AT1352 ड्राइबर संजय कुमार उम्र40वर्ष पुत्र डिप्टी सिहं निवासी कस्बा बेवर जिला मैनपुरी सीमेन्ट पतरा लादकर पुरवा की तरफ से उन्नाव की ओर जारहा था तभी कोतवाली से लगभग 300 मीटर की दूरी पर मुन्सिफ कोर्ट के निकट गुजराती मार्केट के सामने गाड़ी संख्या1352 के ड्राइबर को नींद की झपकी लगते ही आमने सामने से सीधे टक्कर होगयी जिसमें दोनों ही गाड़ियों के ड्राइबर गम्भीर से घायल होगये ! इस सम्बन्ध में इंसपेक्टर कोतवाली पुरवाअमर नाथ सिंह यादव से पूछा गया तो उन्होनें बताया मामला पूर्ण रूपसे संज्ञान मे है अभी तक किसी की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई है अभी वह लोग इलाज करा रहे है तहरीर आने पर विधिक कार्यवाही की जायगी !

सन 2025 में पुलिस ने अपराधों पर कसा शिकंजा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस के लिए वर्ष 2025 कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा। पूरे वर्ष चलाए गए विशेष अभियानों, सतत निगरानी और प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप अपराधियों पर शिकंजा कसा गया और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई। पुलिस की सक्रियता से अपराधों पर नियंत्रण के साथ जनता का भरोसा भी बढ़ा। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 1 जनवरी 2025 से 28 दिसंबर 2025 के बीच निरोधात्मक कार्रवाई के तहत गैंगस्टर एक्ट में 38 मामले दर्ज किए गए। इनमें कुल 145 अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। आबकारी अधिनियम के तहत अवैध शराब के खिलाफ अभियान में 426 मामले दर्ज कर 454 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस अवधि में 6863 लीटर अवैध शराब बरामद कर नष्ट की गई, जिससे शराब माफिया को बड़ा नुकसान हुआ। अवैध शस्त्रों के खिलाफ भी पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया। शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत 96 मामलों में 98 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत 37 मामले दर्ज कर 59 आरोपियों को जेल भेजा गया। इस दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए, जिससे नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक लगी। गंभीर अपराधों के मामलों में भी उन्नाव पुलिस की कार्रवाई उल्लेखनीय रही। वर्ष 2025 में हत्या के 83, हत्या के प्रयास के 120, लूट के 39, डकैती के 6, चोरी के 202 और नकबजनी के 72 मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। अपराधियों के हौसले पस्त करने के लिए पुलिस ने 36 मुठभेड़ों में 48 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए भी पुलिस ने सख्त कदम उठाए। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 67,919 वाहनों का चालान किया गया, जिससे लगभग 65 लाख रुपये से अधिक का शमन शुल्क वसूला गया। इसके साथ ही 631 वाहनों को सीज कर सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त संदेश दिया गया। संपत्ति संबंधी अपराधों के मामलों में पुलिस ने 207 मामलों का सफल अनावरण किया और 390 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन मामलों में करीब 1 करोड़ 69 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई।

टैंकरों से बहाया जा रहा लोन नदी में प्रदूषित पानी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लोन नदी अब औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले जहरीले अपशिष्ट का नाला बन गई है। आरोप है कि प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कथित मिलीभगत से दिन-रात, विशेषकर कोहरे और अंधेरे का लाभ उठाकर, टैंकरों के माध्यम से दूषित पानी खुलेआम नालों और नदी में बहाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, दही औद्योगिक क्षेत्र की सैकड़ों फैक्ट्रियां प्रतिदिन हजारों लीटर जहरीला अपशिष्ट छोड़ रही हैं। कागजों में इन सभी इकाइयों को कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) से जुड़ा दशार्या गया है। हालांकि, वास्तविकता यह है कि ट्रीटमेंट प्लांट केवल दिन में कुछ घंटों के लिए चलाए जाते हैं। रात होते ही सारा दूषित पानी टैंकरों में भरकर सीधे नालों और लोन नदी में डाल दिया जाता है। लखनऊ-कानपुर हाईवे किनारे कोहरे और रात के अंधेरे में टैंकरों से अपशिष्ट गिराने का यह सिलसिला खुलेआम जारी है। नालों से उठती दुर्गंध और लोन नदी में गिरता दूषित पानी स्थिति की गंभीरता को दशार्ता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी के कारण ऐसे मामलों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इस जहरीले पानी का गंभीर असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। लोन नदी से सटे इलाकों में किसानों के खेत बंजर हो रहे हैं और भूगर्भ जल दूषित हो चुका है। इसके परिणामस्वरूप, आसपास के गांवों में लोग त्वचा, पेट और सांस संबंधी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। औद्योगिक अपशिष्ट के साथ-साथ, स्लाटर हाउस भी मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के आदेशों का उल्लंघन करते हुए अपनी गंदगी सीधे लोन नदी में बहा रहे हैं। 'नगर पालिका' लिखा एक टैंकर, जो 'मुन्ना जेसीबी' के नाम से संचालित होता है और जिसका काम जावेद नामक युवक देखता है, उसे भी दूषित पानी और फैक्ट्रियों की गंदगी नदी में डालते हुए देखा गया है। टैंकर पर 'ननहके सीवर सफाई' का बोर्ड भी मिला है। जिलाधिकारी गौरांग राठी के सख्त आदेशों के बावजूद इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह स्थिति प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाती है।

पत्रकारों ने पहली बार चुने अध्यक्ष-महामंत्री

आनंद शर्मा अध्यक्ष, सुशील शुक्ला महामंत्री; उत्पीड़न न होने देने का किया वादा

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,सेंट्रल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के चुनाव पहली बार हुए। इसमें आनंद शर्मा अध्यक्ष और सुशील शुक्ला महामंत्री चुने गए। विमलेश अवस्थी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना गया। यह चुनाव मंगलवार को प्रेस क्लब में संपन्न हुआ। सेंट्रल बार संघ के अध्यक्ष को चुनाव अधिकारी और एक वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद इरफान को सहायक निर्वाचन अधिकारी बनाया गया। प्रेम शंकर गंगवार, संजय श्रीवास्तव और राजीव चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी दी गई। एसोसिएशन का गठन एक साल पहले हुआ था और यह तय किया गया था कि हर साल चुनाव होंगे। अध्यक्ष पद के लिए अमित सक्सेना और आनंद शर्मा के बीच मुकाबला था, जबकि महामंत्री पद के लिए सुशील शुक्ला और संतोष उपाध्याय ने दावेदारी की थी। मतदान दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चला, जिसके बाद मतगणना की गई। अध्यक्ष पद पर आनंद शर्मा को 55 वोट मिले, जबकि अमित सक्सेना को 43 वोट प्राप्त हुए। आनंद शर्मा ने 16 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। महामंत्री पद पर सुशील शुक्ला ने 58 वोट हासिल किए और संतोष उपाध्याय को 34 वोट मिले। सुशील शुक्ला ने 24 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। चुनाव अधिकारी ने विजयी पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। जीत के बाद सेंट्रल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद शर्मा ने

सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह पत्रकारों की आवाज को मजबूती से उठाएंगे और किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न नहीं होने देंगे। वहीं महामंत्री सुशील शुक्ला ने भी सभी का आभार जताया है। उन्होंने खासतौर पर हारने वाले प्रत्याशी संतोष उपाध्याय को अपना साथी बताते हुए कहा कि हम सब साथ हैं। वह पूरी मजबूती के साथ पत्रकारों की बात को पुलिस प्रशासन के सामने रखेंगे।

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत शृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। अब सबसे अहम यह है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अरावली के अस्तित्व पर संकट

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

देश में बढ़ते विकास के बीच जंगल, पहाड़ अक्सर अपनी कुर्बानी देते हैं भारत में इसका सबसे ताजा उदाहरण अरावली है जो विकास बनाम पर्यावरण के बीच खड़ी है। करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। अरावली का महत्व सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं है। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। पर्यावरण के लिहाज से अरावली भूजल को रिचार्ज करने में मदद करती है, जिससे राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में पानी का संतुलन बना रहता है।

करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है

प्रदूषण रोकने में मददगार

ये पहाड़ियां धूल भरी आंधियों को रोकती हैं और प्रदूषण को सोखकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई तो रेगिस्तान फैल सकता है और उत्तर भारत में जल संकट और गंभीर हो जाएगा। एक ओर अरावली को उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे प्रदेश के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बनाकर सड़क से सदन तक संघर्ष की तैयारी में जुट गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2025 में अरावली की परिभाषा बदल दी, जिसमें 100 मीटर से ऊंची जगहों को ही पहाड़ी माना जाएगा। इस आदेश से सिर्फ राजस्थान के 15 जिलों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 फीसदी) ही इस मानक को पूरा कर सकेंगी और 90 फीसदी से अधिक क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। यही बात पर्यावरणविदों को चिंता में डाल रही है। उनका कहना है कि सिर्फ़ ऊँचाई

के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाज़ा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं, झाड़ियों से ढंकी हुई और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं।

जनजीवन से जुड़ा है मामला

यह फैसला सिर्फ कानूनी व्याख्या का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, पर्यावरण व भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण. वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो। हालांकि, सरकार और कुछ कानून विशेषज्ञों का कहना है कि नई परिभाषा 1980 के दशक से चली आ रही, जो इस लड़ाई पर एक सामान्य परिभाषा बनाएगी। कोर्ट ने भी माना कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली क्षेत्र में पत्थर और खनिजों का खनन हजारों लोगों की आजीविका से जुड़ा है और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी है। बिना ठोस वैज्ञानिक और कानूनी आधार के पूरी तरह से प्रतिबंध के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि नई परिभाषा का मकसद नियमों को मज़बूत करना और एकरूपता लाना है, न कि सुरक्षा को कम करना। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह मान लेना ग़लत है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली हर जमीन पर खनन की इजाज़त होगी।

अब अरावली की नई परिभाषा

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 1,47,000 वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली श्रृंखला का सिर्फ़ दो फीसदी हिस्सा ही संभावित रूप से खनन के लिए इस्तेमाल हो सकता है और वह भी विस्तृत अध्ययन और आधिकारिक मंजूरी के बाद। बहरहाल, अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और केंद्र सरकार द्वारा अरावली की नई परिभाषा तय करने के प्रयासों के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में एक सबसे अहम सवाल है, जो देखने में सरल लेकिन असल में बेहद खतरनाक है- आखिर अरावली की कानूनी और पर्यावरणीय परिभाषा क्या होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने जो नई परिभाषा पर मुहर लगाई है क्या वो पर्यावरण मानकों और साइंटफिक स्केल के दायरे में किया गया है? यह सवाल इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि इसी परिभाषा के आधार पर यह तय होता है कि कौन-सा क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स या संरक्षण के दायरे में आएगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार की सुझाई गई परिभाषा को स्वीकार किए जाने के बाद यह बहस और तीखी हो गई है। अरावली का महत्व केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले मैदानों के बीच एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करती है। राजस्थान, दिल्ली और गुरुग्राम जैसे क्षेत्रों में यह धूल भरी हवाओं को रोकने, तापमान नियंत्रित करने और वर्षा के जल को जमीन में समाहित करने में सहायक है। अरावली के जंगल कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि अरावली को गंभीर क्षति पहुंचती है, तो इसके परिणाम दूरगामी होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार इससे वायु प्रदूषण में वृद्धि, भीषण गर्मी और हीटवेव, और भूजल स्तर में तेज गिरावट जैसी समस्याएं और गहराएंगी।

माइनिंग कंट्रोल करना ज़रूरी

यह राजस्थान में मरुस्थलीकरण की गति बढ़ सकती है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने एक ऐसे निर्णायक मोड़ की ओर संकेत किया है, जहां कानूनी व्याख्या और पर्यावरणीय वास्तविकता के बीच संतुलन स्थापित करना अनिवार्य हो गया है। आने वाले समय में इस फैसले के प्रभाव केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण और जनजीवन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। दरअसल, यह पूरा मामला दिखाता है कि अरावली संरक्षण की लड़ाई लंबी है। विकास और पर्यावरण का संतुलन कैसे बनेगा, यह समय बताएगा। लेकिन आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। सरकार अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चला रही है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है।

जीवन के लिए पर्वतीय शृंखला का जिंदा रहना जरूरी

मुद्दा

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दशकों से चल रही राजनीति, विरोधाभासी फैसलों और बदलती परिभाषाओं के बीच यह सवाल सबसे अहम है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? हाल ही में केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों में नए खनन मामलों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर तक फैली पूरी अरावली शृंखला पर लागू किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो खदानें पहले से संचालित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करना होगा। सरकार का दावा है कि इससे प्रकृति को हो रहे नुकसान को रोका जाएगा और अरावली क्षेत्र में हरियाली लौटाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी बीच अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद गहरा गया है। हालिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया कि केवल वही भूमि अरावली पहाड़ी मानी जाएगी, जो आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हो।

इस परिभाषा के सामने आते ही पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों ने आशंका जताई कि इससे बड़ी संख्या में छोटी पहाड़ियां, टीले और झाड़ियों से ढके क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं रह पाएगा और उसे रियल एस्टेट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है। सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और खनन पर लगे प्रतिबंध से बौखला गया है। पर्यावरण मंत्रालय का दावा है कि अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सर्वे ऑफ इंडिया को नई परिभाषा के आधार पर नक्शा तैयार करने के निर्देश केवल स्पष्टता के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके, इस मुद्दे पर देशभर में विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और जनसभाएं हो रही हैं, जो बताती हैं कि जनता की चिंता गहरी है। अरावली मानसून के दौरान बादलों की दिशा मोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मैदानों को वर्षा मिलती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकती है और रेत–धूल को दिल्ली–एनसीआर तक पहुंचने से काफी हद तक थामे रखती है। इसके अलावा, अरावली को भूजल रिचार्ज का इंजन भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में मौजूद जंगल, चट्टानें और मिट्टी वर्षा जल को जमीन में समाहित कर जलस्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अरावली को लेकर राजनीतिक दलों की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। आरोप है कि 2003 में कांग्रेस सरकार के दौरान 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा की नींव रखी गई थी, जिसे 2010 में सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। तब अदालत ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। अब करीब 14 साल बाद वही परिभाषा एक बार फिर सामने आई और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। इस कारण विपक्ष और पर्यावरणविद् दोनों सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सच्चाई यह है कि अरावली को सबसे ज्यादा नुकसान राजनीति से ज्यादा लालच और अनियंत्रित विकास ने पहुंचाया है। खनन, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के नाम पर इस पर्वतमाला को लगातार काटा गया। नतीजा यह है कि दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना रहता है और लोगों की औसत आयु तक प्रभावित हो रही है। आज जरूरत इस बात की है कि अरावली को केवल राजनीतिक बहस का विषय न बनाकर राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देखा जाए। वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय समुदायों की राय को गंभीरता से सुना जाए। विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही एकमात्र रास्ता है। क्योंकि सच यही है-अगर अरावली जिंदा रहेगी, तभी हमारी हवा, पानी और जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

अरावली बचाने की मुहिम पर सवाल उठाना गलत

विवाद

रोहित कौशिक

स्वतंत्र पत्रकार

अरावली पर चले रहे विवाद के बीच केन्द्र सरकार ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह रोक पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होगी और इसका मकसद इस क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखना है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और अरावली की पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं, जिससे कई तरह के पर्यावरणीय बदलाव होंगे। मुख्य रूप से राजस्थान में अरावली की नई परिभाषा को लेकर आन्दोलन तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली की पहाड़ियां हैं लेकिन राजस्थान में अरावली की 80 प्रतिशत पहाड़ियां हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों में अवैध खनन को रोकने के लिए केन्द्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट का कहना था कि अरावली की पहाड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। सभी राज्य अपने अनुसार यह तय करते हैं कि वे किस पहाड़ को पहाड़ मानेंगे और किस पहाड़ पर खनन करने की इजाजत देंगे। इसी संशय को दूर करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति बनाई। इस समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सिफारिशें दाखिल कीं। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशों में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यदि किसी पहाड़ की ऊंचाई 100 मीटर या उससे ज्यादा है तो उस पहाड़ से 500 मीटर के इलाकों को अरावली क्षेत्र माना जाएगा और वहां किसी भी प्रकार के खनन की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा कि जो पहाड़ इस परिभाषा के हिसाब से अरावली क्षेत्र में नहीं आएंगे, वहां सस्टेनेबल माइनिंग यानी टिकाऊ खनन हो सकेगा। सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। लोगों का मानना है कि इस परिभाषा के हिसाब से अरावली के 90 प्रतिशत पहाड़ खत्म हो जाएंगे क्योंकि इन पहाड़ों की ऊंचाई 100 मीटर से ज्यादा नहीं है। यह सही है कि अरावली क्षेत्र में पहले से ही खनन होता रहा है लेकिन अब समाज में अरावली को बचाने की चिंता देखी जा रही है तो इस चिंता को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो।

देश में तमाम प्राकृतिक धरोहरों को संभालना होगा

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां इन दिनों सियासत की जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को लेकर सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं जिसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी जमकर हो रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे थे, वह उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया।

हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है।

भूगोलविद सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत शृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को समझे। जिस तरह केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया गया है और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा ही हरियाणा में आता है और बाकि हिस्सा राजस्थान में है। जनता का आरोप है कि बीते कई वर्षों से अरावली की चोरी हो रही है और 100 मीटर बने

आज जब अरावली की समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती।

कानून का कोई औचित्य नहीं है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने इसकी पैरवी की और ये गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के जरिए की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि एक तरफ देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है।

पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? बहरहाल, आज जब अरावली की वजह से प्राकृतिक समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती। इसमें लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। मौजूदा स्थिति में हाईटेक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाने लगा। हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नहीं हैं जितने कि हमें जरूरत है। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है।

हमारे यहां जनसंख्या का तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण व पहाड़ों को बर्बाद किया जा रहा है देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी।

आजादी की लड़ाई से लेकर देश के नवनिर्माण तक कांग्रेस

स्थापना दिवस

दीपक बैज

कांग्रेस ने अपनी स्थापना के 140 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 141वें स्थापना दिवस की आप सभी को बधाई। आज भले ही अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकार नही है, लेकिन कांग्रेस ही देश का एक मात्र राजनैतिक दल है जिसका कार्यकर्ता भारत के उत्तर, दक्षिण, पूरब से लेकर पश्चिम के हर गांव में मिल जाएगा। 28 दिसंबर 1885 को कुछ बुद्धिजीवियों ने भारत के लोगों की जरूरतों, उनकी समस्याओं के विमर्श के लिए एक मंच की जरूरत महसूस की, जो तत्कालीन हुक्मरानों के समक्ष भारत की जनता की आवाज बन सके, सरकार के द्वारा बनाई जा रही नीतियों में भारतीयों की जरूरतों को स्थान दिलवाया जा सके। इन्ही उद्देश्यों को लेकर 72 सदस्यों ने कांग्रेस की स्थापना की जिनमें एओ ह्यूम, दादाभाई नौरोजी, व्योमेश चन्द्र बेनर्जी, काशीनाथ तेलंग, राघवाचारी प्रमुख थे। कांग्रेस का पहला अधिवेशन व्योमेश चन्द्र बेनर्जी की अध्यक्षता में मुंबई में हुआ। भारतीयों की समस्याओं को उठाने के उद्देश्य के लिए गठित की गई कांग्रेस पार्टी बहुत जल्दी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की मुखर विरोधी बन गयी। गठन से लेकर भारत की आजादी तक कांग्रेस के लगभग 15 मिलियन सदस्य बन गए थे।

गुलाम भारत के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत कर उनमें आजाद मुल्क की ललक पैदा करना एक बड़ा कठिन काम था, जब तक लोगों में आजादी और स्वराज की जरूरत की चेतना जागृत नहीं होगी, अंग्रेजी शासन के खिलाफ कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं हो सकता, इस बात को कांग्रेस ने भली भांति समझ लिया था, इसीलिए कांग्रेस ने शुरू से ही अंग्रेजी हुकूमत के विरोध के कार्यक्रमों में आम आदमी को जोड़ा और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया। 1915 में महात्मा गांधी के भारत आगमन के बाद उन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता सौंपी गयी, 1919 में गांधी जी कांग्रेस के प्रतीक पुरुष बन गए और इसके बाद कांग्रेस ने देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ जनांदोलनों को खड़ा करना शुरू किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का नारा दिया और रावी नदी के तट पर तिरंगा फहराया गया।

कांग्रेस आजादी का लक्ष्य प्राप्त करने में इसलिए सफल हुई क्योंकि वह लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रही थी। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस किसी एक वर्ग की नही बल्कि सम्पूर्ण भारत की अगुवाई कर रही थी। कांग्रेस में कई विचार धाराएं थी, गांधी जी सहित कांग्रेस के नेतृत्वकर्ताओ ने वैचारिक मतभिन्नता का पूरा सम्मान किया तथा विभिन्न विचारों को लेकर स्वतंत्र भारत के एक लक्ष्य के साथ कांग्रेस दुनिया के सबसे बड़े सफल अहिंसक आंदोलन को चलाने में कामयाब हुई। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस भारत के जनमानस की आईना थी। सारा भारत कांग्रेस के साथ था सिर्फ साम्प्रदायिक जातिवादी और अंग्रेजो के प्रति श्रद्धा रखने वाले संगठन जरूर कांग्रेस के खिलाफ थे।

आजादी के बाद छोटे बड़े रजवाड़ो रियासतों को समाहित कर लोकतांत्रिक भारत के निर्माण के साथ समानता वाले भारत का निर्माण, सबको समान

आणथक अवसर के साथ धार्मिक, सामाजिक और लैंगिक समानता को सुनिश्चित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जानते थे कि यह सारे लक्ष्य तभी फलीभूत हो सकते है जब भारत आर्थिक रूप से सुदृढ और सुरक्षित हो, स्वस्थ हो। इसीलिये नेहरू जी ने सिचाई परियोजनाओं के साथ बड़े कल कारखानो की नींव साथ में रखी। नेहरू जी ने विज्ञान और संस्कृति के सामंजस्य वाले भारत की कल्पना की थी। यही कारण था कि उन्होंने देश में आईआईएम, आईआईटी जैसे अभियांत्रिकी प्रबन्ध संस्थानों से लेकर बेहतरीन चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना की। पंडित नेहरू के बाद की कांग्रेस सरकारों ने उनके द्वारा स्थापित इस मजबूत नीव पर आधुनिक भारत की शानदार इमारत की स्थापना पर कोई कसर नही छोड़ी।

नेहरू जी के बाद शास्त्री जी के समय अनाज की उपलब्धता बढ़ाई, देश की सुरक्षा को लक्ष्य रख कर जय जवान जय किसान का नारा दिया गया। इंदिरा जी हरित क्रांति, बीस सूत्री कार्यक्रम, अंतरिक्ष कार्यक्रम, परमाणु कार्यक्रम से सुदृढ़ भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता में रखा। राजीव गांधी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तब देश को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए कांग्रेस की प्राथमिकता में सूचना प्रोद्योगीकी और कम्प्यूटर क्रांति थी, मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 करके युवाओं को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का अवसर दिया, पंचायतों को सशक्तीकरण कर सत्ता के विकेंद्रीकरण का मार्ग भी खोला गया। पीवी नरसिंहराव जी के समय आर्थिक उदारीकरण को अपना कर वैश्विक व्यापारिक जगत में भारत को मजबूती से खड़ा करने का प्रयास किया गया। यूपीए चेयर पर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन तथा मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों के साथ खाद्य सुरक्षा कानून, सूचना के अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी, शिक्षा का अधिकार, भू–अधिग्रहण जैसे कानूनों को लाकर कांग्रेस ने आम आदमी के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया।

2014 में केंद्र की सत्ता तथा 2023 में राज्य की सत्ता हाथ से जाने के बाद कांग्रेस एक सजग विपक्ष की भूमिका निभा रही है। बहुमत के अतिवादी चरित्र का विरोध जिस बेबाकी और निडरता से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, खड़गे जी कर रहे है वह कांग्रेस के उन्ही मूल्यों उपज है जिन मूल्यों को लेकर कांग्रेस ने दुनियां के सबसे बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन और भारत के सबसे बड़े राष्ट्रवादी आंदोलन से भारत की आजादी की लड़ाई को लड़ा था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाकर पाटएँ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे अनुभवी शख्स को पार्टी के निचले पायदान ब्लाक अध्यक्ष से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना कांग्रेस जैसे दल में ही संभव है। आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार नेशनल हेराल्ड तथा यंग इंडिया जैसे देश और कांग्रेस की अमूल्य धरोहरों को लेकर केंद्र की सत्तारूढ़ दल भाजपा के द्वारा षड़यंत्र किया गया। कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रहार किया गया। आजादी की लड़ाई के इन प्रतिमानों यंग इंडिया और नेशनल हेराल्ड को बचाने के प्रयासों को ही अपराध साबित करने की कुचेष्ठा की गई, लेकिन अदालत में यह षड़यंत्र बेनकाब हो गया।

कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने देश के मजदूरों और वंचित वर्ग के लोगों को रोजगार मुहैया कराने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्श के अनुरूप मनरेगा कानून का निर्माण किंया था, वर्तमान केंद्र सरकार ने मनरेगा कानून की मूल आत्मा को नष्ट करने के लिए संसद में नया विधेयक पारित करवाया। इस कानून में महात्मा गांधी के नाम को हटा दिया गया। साथ ही मनरेगा कानून में मजदूरों के लिए रखे गये प्रावधानों को खत्म कर दिया गया। कांग्रेस महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप देश के अंतिम आदमी के साथ हमेशा खड़ी रही है। ऐसे तत्वों को ऐसी कुचेष्टा का हमेशा से विरोध करती रही है। इस षड़यंत्र से कांग्रेस का देश में सर्वधर्म समभाव, सर्वजनहिताय के लक्ष्य को प्राप्त करने का ईरादा कमजोर नहीं होगा।

(लेखक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं)

संक्षेप

अमेठी पुलिस और मीडिया के बीच मैत्री क्रिकेट मैच

पुलिस टीम ने 15 रनों से दर्ज की जीत

अमेठी, पुलिस और मीडिया के बीच रविवार, 28 दिसंबर को एक मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जनपद मुख्यालय गौरीगंज स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के खेल मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में अमेठी पुलिस टीम ने मीडिया टीम को 15 रनों से हरा दिया। इस आयोजन का उद्देश्य पुलिस और मीडिया के बीच आपसी समन्वय, सहयोग और सौहार्द को मजबूत करना था। मैच में अमेठी पुलिस टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 15 ओवरों में पुलिस टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 143 रन बनाए। उन्होंने मीडिया टीम के सामने जीत के लिए 144 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मीडिया टीम ने संघर्षपूर्ण खेल दिखाया। हालांकि, पुलिस टीम की सटीक और अनुशासित गेंदबाजी के सामने वे 15 ओवरों में केवल 129 रन ही बना सके। इस प्रकार, मीडिया टीम 15 रन से मुकाबला हार गई। मैच के समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर खेल भावना का परिचय दिया। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। शानदार प्रदर्शन के लिए कोतवाली मुंशीगंज के प्रभारी को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के मैत्री क्रिकेट मैच पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल, विश्वास और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देते हैं।

अमेठी डिपो से माघ मेले के लिए 55 बसें चलेंगी

श्रद्धालुओं को मिलेगी सहूलियत, सहायता केंद्र भी बनेंगे

प्रयागराज, आयोजित होने वाले माघ मेले के लिए अमेठी डिपो से 55 बसों का संचालन किया जाएगा। परिवहन निगम ने श्रद्धालुओं को सुगमता से प्रयागराज पहुंचाने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। ये बसें दिन-रात संचालित होंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अमेठी बस स्टेशन पर सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर तैनात कर्मचारी यात्रियों को बसों के आवागमन, मार्गों, समय और उपलब्धता से संबंधित पूरी जानकारी प्रदान करेंगे। इसका उद्देश्य मेले में जाने वाले स्नानार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाना है। एआरएम काशी प्रसाद ने बताया कि माघ मेले की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मेले में जाने वाली बसों को दुरुस्त किया जा रहा है और 55 बसों को विशेष रूप से तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में अमेठी डिपो से निगम की 69 और अनुबंधित तीन बसों का संचालन हो रहा है, जिनमें से बड़ी संख्या में बसें मेला रूट पर लगाई जाएंगी। आवश्यकता पड़ने पर रोडवेज के साथ-साथ अनुबंधित बसों की भी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि कुछ बसें मुसाफिरखाना होकर, कुछ गौरीगंज, रामगंज, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ सहित अन्य अलग-अलग मार्गों से प्रयागराज के लिए भेजी जाएंगी। इससे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं को सीधे सुविधा मिल सकेगी। यदि श्रद्धालु समूह में बुकिंग कराकर प्रयागराज जाना चाहते हैं

11 हजार वोल्टेज लाइन की चपेट में आया ट्रैक्टर चालक की दर्दनाक मौत

नौबना गांव में हादसा, मिट्टी उतारते समय हुआ करंट का शिकार

घटना से गांव में मातम, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के कोतवाली मुर्तिहा अंतर्गत नौबना गांव में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मिट्टी उतारते समय ट्रैक्टर 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आ गया, जिससे ट्रैक्टर में करंट उतर आया। जानकारी के अनुसार, थाना मोतीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत उर्रा के कबेलपुर गांव निवासी अजय कुमार (22) पुत्र –, नौबना गांव निवासी लल्लन कुमार के ट्रैक्टर-ट्रॉली पर चालक के रूप में कार्य करता था। मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे वह नौबना निवासी बेचू के दरवाजे पर मिट्टी गिराने गया था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन ट्रैक्टर से छू गई। करंट उतरते ही अजय कुमार झुलस गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में ट्रैक्टर का एक पहिया भी जल गया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना पर मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे, जहां मां-बाप और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अजय कुमार की मां ने कोतवाली मुर्तिहा पहुंचकर घटना की तहरीर दी और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की है कि आबादी क्षेत्र से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों को सुरक्षित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो। एसडीओ मिहींपुरवा लल्लन कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है घटना कैसे घटी इसकी जांच की जा रही है नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

संघ कार्यालय पर बाल हनुमान चालीसा का बच्चों द्वारा किया गया पाठ

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा पर स्थित नगर पंचायत रुपईडीहा में संघ कार्यालय पर बाल हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके मुख्य आयोजक जागरण मंच संघ प्रचारक सर्वेश द्वारा हर मंगलवार की तरह मंगलवार को भव्य रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। आपको बताते चले इस बार हनुमान चालीसा सुंदर पाठ के मुख्य अतिथि संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत हनुमान दास रामायणी द्वारा आरती का दीपक जलाकर शुरूआत किया गया। ज्ञातव्य हो कि मुख्य अतिथि हनुमान दास रामायणी को संघ प्रचारक सर्वेश ने भारत माता की जय वंदे मातरम जय श्री राम के साथ अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। हनुमान चालीसा का पाठ उमाशंकर विश्वकर्मा ने अपने मुखारविंद से श्री गुरु चरण सरोज रज निज मन मुकुर सुधार बरनाहू रघुवर विमल जसु जो दायक फल चार बुद्ध हीन तनु जानि के सुमिरहुं पवन कुमार बल बुद्धि विद्या देहु मोहि हरहुं क्लेश विकार जय हनुमान ज्ञान गुण सागर जय कपीस तिहुं लोक उजागर सैकड़ो की संख्या में भक्तगणों के साथ बच्चों द्वारा जय श्री राम के जयकारों से संघ कार्यालय गूंज उठा। इस शुभ अवसर पर अंकुर मिश्रा, रमेश मिश्रा, पंचम ऋषि, राजेश यादव, बबलू वर्मा, सुनील कुमार, सनेही कुमार, भागीरथ, किशोरी, लव कुश, रामगोपाल त्रिपाठी, पप्पू, मायाराम एवं सैकड़ो सम्मानित नागरिक और बच्चे उपस्थित रहे।

रिसिया में आयोजित किया गया अटल स्मृति सम्मेलन

अमन लेखनी समाचार

रिसिया, बहराइच। रिसिया ब्लॉक परिसर में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा मटेरा का अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर फूल माला अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि चन्द्र भान सिंह संचित, पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड, कर्णवीर सिंह उपस्थित रहे व सभी सम्मानित कार्यकर्ता को अटल बिहारी बाजपेई जी के जीवन पर संबोधित किया। उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। साथ ही मतदाता पुनर्निरीक्षण अभियान पर चर्चा कि इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष भाजपा मटेरा कुश शुक्ला मण्डल अध्यक्ष भाजपा रिसिया अरविंद गुप्ता मण्डल अध्यक्ष रामगांव बृजेश निषाद जी, बलवंत सिंह, आलोक अग्रवाल , राजेश निगम श्रवण मित्तल, महेश अग्रवाल, ब्लाक प्रमुख संजय जायसवाल, हेमन्त वर्मा बृजलाल वर्मा, सरोज सिंह ,जय प्रकाश अग्रहरि, शिवा

तिवारी, स्वाति तिवारी, मंजू गुप्ता, विक्की यादव प्रभात गुप्ता, सतेंद्र मिश्रा, बालक राम गिरी, अमोल मोदनवाल, राधेश्याम गुप्ता, केशव राम, जायसवाल शिवगोपाल साहू, जगदीश यादव हरिश्चंद्र जायसवाल, शैलेन्द्र यादव शीतला प्रसाद लोधी, पंचराम वर्मा, जमुना प्रसाद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

कड़ाके की ठंड में चेयरमैन ने निर्धन महिलाओं को बांटे कंबल

अलाव व रैन बसेरा की भी व्यवस्था

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। उत्तर प्रदेश के अंतिम छोर पर स्थित बहराइच जिले के सीमावर्ती कस्बा रुपईडीहा में कड़ाके की ठंड को देखते हुए नगर पंचायत प्रशासन द्वारा गरीब व जरूरतमंद लोगों के लिए राहत कार्य तेज कर दिए गए हैं। ठंड से बचाव के लिए नगर पंचायत चेयरमैन के नेतृत्व में निर्धन महिलाओं को कंबल वितरित किए गए। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन ने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब और असहाय लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में नगर पंचायत का दायित्व है कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण पीड़ित न हो। इसी उद्देश्य से जरूरतमंद महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर कंबल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही नगर क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कराई गई है, ताकि राहगीरों और मजदूर वर्ग को ठंड से राहत मिल सके। वहीं, बेघर एवं यात्रियों के लिए रैन बसेरा की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जहां ठंड से बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कड़ाके की ठंड में यह कदम गरीबों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। नगर पंचायत प्रशासन ने ठंड के प्रकोप को देखते हुए आगे भी राहत कार्य जारी रखने की बात कही है।

मानवाधिकार की रक्षा के लिए रूपईडीहा में जुटे लोग, शांतिपूर्ण मार्च निकाला

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के युवकों के साथ हो रही कथित हिंसक घटनाओं के विरोध में सोमवार को रूपईडीहा में जनाक्रोश देखने को मिला। सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के आह्वान पर सैकड़ों लोगों ने एकजुट होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया और मानवाधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर से एकत्र होकर मार्च की शुरूआत की। चेयरमैन डॉ उमाशंकर वैश्य ने धार्मिक स्वतंत्रता, मानवता और शांति के समर्थन में अपनी बात रखी। उन्होंने ने कहा कि किसी भी देश में निर्दोष नागरिकों पर अत्याचार सभ्य समाज के लिए कलंक है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस पर गंभीर संज्ञान लिया जाना चाहिए। विश्व समुदाय से अपील की कि धार्मिक सहिष्णुता और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन पूरी तरह अनुशासित और शांतिपूर्ण रहा। स्थानीय प्रशासन की निगरानी में कार्यक्रम सकुशल संपन्न हुआ। इस मौके पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विवेक शुक्ला, राम जानकी मंदिर रूपईडीहा के महंत जानकी दास, कृष्ण मोहन सिंह, दीपक शर्मा, कोषाध्यक्ष बलराम मिश्रा, डॉक्टर सनत कुमार शर्मा, विष्णु चौरसिया, कृष्ण गोपाल शर्मा, महंत भगवान दास, संदीप, जीतू कश्यप सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मनरेगा नीति बदलने पर कांग्रेस का प्रदर्शन

केंद्र सरकार के फैसले को ग्रामीण विरोधी बताया, वापसी की मांग

अमन लेखनी समाचार

टिकारी(अमेठी) ,अमेठी जनपद के भेटुआ ब्लॉक स्थित हरीपुर में जिला कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की नीति और नाम परिवर्तन के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के इस फैसले को ग्रामीण हितों के विरुद्ध बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने मनरेगा को देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार और आजीविका का मजबूत सहारा बताया। उन्होंने कहा कि योजना की नीति या नाम में बदलाव से इसकी मूल भावना प्रभावित होगी, जिससे गरीब, मजदूर और किसानों को नुकसान पहुंचेगा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। इस मौके पर बड़े लाल यादव, कौसल किशोर, शैलेंद्र पाल, शिवबहादुर मौर्य, राजेश सिंह, रहमत अली और सुमित्रा सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार के निर्णय का विरोध करते हुए मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बनाए रखने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह निर्णय वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कैसरगंज में पूर्व कैबिनेट मंत्री ने गरीबों को बांटे कंबल

भाजपा सरकार गरीबों के लिए सर्वोपरि: मुकुट बिहारी वर्मा

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज तहसील सभागार में मंगलवार के दिन पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में तहसील सभागार कैसरगंज में गरीब असहाय और मजलूमों को ठंड से बचने के लिए कंबल वितरित किए। मुकुट बिहारी वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार हमेशा गरीबों मजलूमों की परवाह के लिए हमेशा कार्यरत है। हर आपदा के मौके पर हमारी सरकार गरीबों के साथ खड़ी नजर आती है तहसील सभागार कैसरगंज में सैकड़ो गरीबों को कंबल वितरित किया गया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख कैसरगंज संदीप सिंह बिसेन भाजपा उपाध्यक्ष सूबेद वर्मा उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह शिव सहाय सिंह मुनीम जी नायब तहसीलदार सचिन श्रीवास्तव तहसीलदार मीना गौड़ एवं तमाम भाजपा के सम्मानित कार्यकर्ता भारी संख्या में तहसील सभागार कैसरगंज में मौजूद रहे।

कतर्नियाघाट में भरुवा बंदूक के साथ एक शिकारी को वन कर्मियों ने दबोचा

कतर्नियाघाट वन प्रभाग के सदर रेंज के बिछिया बीट का मामला

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने सदर रेंज के बिछिया बीट क्षेत्र से एक शिकारी को पकड़ा है जिसके पास से एक भरुवा बंदूक सहित शिकार में प्रयोग होने वाले अन्य औजार बराबद हुए। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान शिव प्रसाद उर्फ श्रीप्रसाद निवासी रमपुरवा थाना सुजौली जनपद बहराइच के रूप में हुई है। डीएफओ सूरज कुमार ने बताया कि वन विभाग की टीम वन एवं वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए गस्त कर रही थी इसी बीच यह शिकारी गिरफ्तार हुआ है गिरफ्तार अभियुक्त के ऊपर वन्य जीव अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में वन दरोगा राधेश्याम, वन रक्षक अब्दुल सलाम, रामनाथ, संजय शामिल रहे।

अवैध अतिक्रमण पर एसडीएम मोनालिसा जौहरी की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

सरकारी भूमि पर बने पक्के निर्माण को कराया गया ध्वस्त

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। नानपारा तहसील क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम कगार स्थित गाटा संख्या 603 रकबा 0.0024हे. जो कि राजस्व अभिलेखों में खाद के गड्ढे के नाम दर्ज है। उपरोक्त सरकारी भूमि पर रात्रि में पक्का निर्माण करके मेहमान सिंह, ध्रुव सिंह, सर्वजीत सिंह, बघेल सिंह पुत्रगण ननकऊ सिंह द्वारा दीवार खड़ी अवैध कब्जा करने की शिकायत प्राप्त होने पर उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के निर्देश पर संबंधित राजस्व निरीक्षक व क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पक्के बने निर्माण को नियमों के अंतर्गत ध्वस्त करवा दिया गया। सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण पर धवस्तीकरण होने पर अवैध कब्जेदारों में बेचौनी बढ़ गई है। तहसील प्रशासन की सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश क्षेत्र में गया है कि सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसडीएम नानपारा द्वारा लगातार सरकारी भूमि पर से अवैध अतिक्रमण हटवाए जाने पर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमणकारियो में भय का माहौल है वही यह भी स्पष्ट हो गया है कि अब प्रशासन अभियान चलाकर अवैध अतिक्रमण पर कड़ी कार्यवाही कर रहा है। तहसील प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सरकारी भूमि, तालाब, चकरोड एवं सार्वजनिक संपत्तियों पर किए गए सभी अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा। सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

परिवहन विभाग 91 बसें चलाएगा

माघ मेले के लिए हर 15 मिनट पर प्रयागराज रवाना होगी बस, चालकों-परिचालकों की छुट्टियां रद्द

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, परिवहन विभाग माघ मेले के लिए 91 बसों का संचालन करेगा। ये बसें प्रतापगढ़ से प्रयागराज के लिए हर 15 मिनट पर रवाना होंगी, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा सुविधा मिल सके। विभाग द्वारा संचालित की जाने वाली कुल 91 बसों में 77 निगम की और 14 अनुबंधित बसें शामिल हैं। यात्रियों की पहचान और सुविधा के लिए सभी बसों पर माघ मेला का विशेष स्टिकर लगाया जा रहा है। श्रद्धालुओं को ठंड और कोहरे से बचाने के लिए बस स्टॉप पर बैठने की बेहतर व्यवस्था, रैन बसेरे और अलाव की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, विभाग ने सभी 165 चालक और 185 परिचालकों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। उन्हें माघ महीने के पहले दिन से ड्यूटी पर उपस्थित रहना अनिवार्य होगा, केवल आपात स्थिति में ही छुट्टी मिलेगी। योगी सरकार महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद अब माघ मेले को भी भव्य रूप देने की तैयारी में है। इसी क्रम में 3 जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेले के लिए प्रतापगढ़ परिवहन विभाग लगातार व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहा है।

दुष्कर्म का आरोपी मेडिकल कॉलेज से फरार

चार दिन बाद भी नहीं मिला सुराग, निलंबित पुलिसकर्मी भी लापता

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, मेडिकल कॉलेज से चार दिन पहले फरार हुए गोली से घायल दुष्कर्म के आरोपी जावेद उर्फ चांदबाबू का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उसकी तलाश में लगाए गए निलंबित पुलिसकर्मी भी अभी तक वापस नहीं लौटे हैं। जावेद, जो पट्टी के उड़ैयाडीह बाजार में सात साल की बच्ची से दुष्कर्म का मुख्य आरोपी है, उसे रात पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने के बाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। सुबह वह मेडिकल कॉलेज से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद, जावेद की निगरानी में तैनात पट्टी कोतवाली के एसआई केशव प्रसाद, हेड कांस्टेबल विनोद सिंह, आदर्श यादव और कांस्टेबल गुलशन कुमार को एसपी दीपक भूकर ने निलंबित कर दिया था। तीन दिन बाद पट्टी कोतवाल अभिषेक सिंह सिरोही ने फरार जावेद के साथ इन सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ नगर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस की चार टीमें जावेद की तलाश में जुटी हैं। निलंबित पुलिसकर्मी भी उसकी खोज में लगाए गए थे। पहले उसका लोकेशन सुल्तानपुर से वाराणसी की ओर मिला था, जिसके बाद पुलिस ने खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अब पुलिस टीमें भागदौड़ के बजाय सुरागरसी पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। आम लोगों का मानना है कि मोबाइल न होने के कारण जावेद का लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल होगा और पुलिस को किसी रिश्तेदार से संपर्क करने पर ही कोई सुराग मिल पाएगा। चौंकाने वाली बात यह है कि जावेद की निगरानी में लगाए गए

संक्षेप

नकली समरसेबिल पंप जब्त

हैवेल्स, वी-गार्ड समेत नामी कंपनियों के पंप बरामद, दो गिरफ्तार

बड़ौत , कोतवाली क्षेत्र में नकली विद्युत उपकरणों की बिक्री का एक बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने दिल्ली बस स्टैंड के पास कार्रवाई करते हुए नामी कंपनियों के जाली समरसेबिल पंपों की बड़ी खेप बरामद की है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है यह कार्रवाई स्पीड सर्च एंड सिक्योरिटी नेटवर्क के फील्ड मैनेजर ललित कुमार की सूचना पर देर रात की गई। सूचना मिली थी कि हैवेल्स इंडिया लिमिटेड, वी-गार्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड और उषा इंटरनेशनल लिमिटेड के नाम पर नकली समरसेबिल पंप बेचे जा रहे थे। रात करीब 11:30 बजे दिल्ली बस स्टैंड के पास खड़े एक ट्रक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक से हैवेल्स के 15, पॉलीकैब के 14, वी-गार्ड के 13 और उषा कंपनी के 14 जाली समरसेबिल पंप बरामद हुए। मौके पर ही इन सभी पंपों को डुप्लीकेट घोषित किया गया। पुलिस पूछताछ में वाहन चालक ने अपनी पहचान मोन पुत्र जपनेश्वर, निवासी अटेना गांव, मेरठ बताई, जबकि उसके साथी ने अपना नाम सोन चौधरी पुत्र अमर सिंह चौधरी, निवासी कंकरखेड़ा, मेरठ बताया। दोनों आरोपी बरामद माल के संबंध में कोई बिल या वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने सभी जाली सामान को सील कर कब्जे में ले लिया और आरोपियों को थाने लाकर उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं कॉपीराइट एक्ट की धारा 63/65 के तहत कार्रवाई की। सीओ विजय कुमार ने बताया कि नकली सामान की बिक्री से कंपनियों के साथ-साथ सरकार को भी आर्थिक नुकसान होता है। मामले की जांच जारी है।

ठंड और कोहरे से जनजीवन प्रभावित

न्यूनतम तापमान 6 डिग्री, प्रदूषण 319; प्रशासन ने अलाव-रैन बसेरे की व्यवस्था की

बागपत, कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और बढ़ता प्रदूषण जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। रात का तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है। दिन का तापमान भी 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। वहीं, प्रदूषण का स्तर 319 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है। घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई है। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-सहारनपुर हाईवे और बागपत-मेरठ हाईवे पर वाहन चालक दिन में भी हेडलाइट जलाकर यात्रा कर रहे हैं। कई स्थानों पर वाहन चालक कोहरा छंटने का इंतजार करते हुए अपने वाहन किनारे खड़े कर रहे हैं। बढ़ते प्रदूषण और ठंड को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे आवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही गई है। ठंड से बचाव के लिए बागपत प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। खेकड़ा कस्बा, बागपत शहर और छपरौली सहित शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, यात्रियों और जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए रैन बसेरे भी तैयार किए गए हैं।

आबादी से जुड़े स्थान पर शमशान बनने पर महिलाओं ने काटा हंगामा

ग्राम पंचायत से 8 किलोमीटर दूर बनाया जा रहा था शमशान घाट

अमन लेखनी समाचार

जाफरगंज, फतेहपुर। जनपद के जाफरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा रेवरी में प्रस्तावित अंत्येष्टि स्थल का निर्माण दूसरी ग्राम सभा की आबादी से जुडी जमीन में कराया जा रहा था जिसका ग्राम प्रधान पति अरुण द्विवेदी समेत गांव के सैकड़ो ग्रामीणों ने विरोध किया ग्रामीणों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सभा रेवरी की कुछ जमीन ग्राम सभा से 8 किलोमीटर दूर यमुना की तलहटी पर स्थित गांव बारा से जुड़ी हुई है जहां ग्राम सभा में प्रस्तावित अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कार्यदाई संस्था के ठेकेदार द्वारा आबादी से जुडी जमीन पर कराया जा रहा था जिसमें ग्राम प्रधान पति अरुणद्विवेदी महेंद्र पाल सियाराम रामनारायण समेत अन्य महिलाएं सरिता सुशीला ममता लीलावती रेखा कोमल सविता मुन्नी शर्मिला आदि सैकड़ो लोगों ने अपील की यह कार्य यहां पर उचित नहीं है गांव से मात्र 30 मीटर दूरी पर अंत्येष्टि स्थल का निर्माण होना असंवैधानिक है आबादी में छोटे-छोटे बच्चे भी हैं वही अंत्येष्टि स्थल में होने वाले धुएं से प्रदूषण फैलता है जिससे ग्रामीणों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी आबादी में ऐसे स्थान का होना शास्त्र के अनुरूप नहीं है परंतु ठेकेदार ने अपनी मनमानी चलाते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जिसे देखते हुए ग्रामीणों ने पंचायत राज अधिकारी समेत जनपद के मुखिया जिलाधिकारी रविंद्र सिंह को लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई उच्च अधिकारियों ने इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया और निर्माण कार्य प्रारंभ रहा निर्माण कार्य में रुकावट ना देख कल गांव की सैकड़ो महिलाओं ने मौके पर पहुंचकर हंगामा काटा

जिम्मेदारों ने दे डाली महिलाओं को धमकी

ग्रामीणों ने बताया कि कार्य को रोकने के लिए गांव के कुछ पुरुष तथा महिलाओं ने मौके पर जाकर हंगामा काटा जिसे देख 8 किलोमीटर दूर गांव के प्रधान पुत्र सोनू सिंह समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौखिक रूप से ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दे डाली ग्रामीणों ने कहा कि यदि जनपद के मुखिया तथा पुलिस अधीक्षक इस मामले पर ध्यान नहीं देते तो निश्चित रूप से कलेक्ट्रेट पुलिस अधीक्षक कार्यालय समेत समय आने पर मुख्यमंत्री आवास लखनऊ पर भी ग्रामीणों समेत महिलाएं धरना प्रदर्शन करेगी वास्तव में यह एक हैरतअंगेज बात है जहां ग्राम पंचायत से 8 किलोमीटर दूर गांव का अंत्येष्टि स्थल निर्माण कराने की सोच गांव के मुखिया द्वारा रखी गई जो एक सोचनीय विषय है ऐसे स्थान ग्राम पंचायत के बाहर कुछ दूर पर खाली स्थान पर निर्मित कराए जाते हैं जिससे ग्रामीणों को अंतिम क्रिया करने पर सुगमता प्रदान हो परंतु शायद ग्राम पंचायत के प्रधान समेत उच्च अधिकारियों का ऐसे असंवैधानिक कार्यों पर तनिक भी ध्यान नहीं गया वही ग्रामीण की अपील के बाद पुलिस प्रशासन समेत ग्राम प्रधान पुत्र द्वारा निरंतर धमकी दी जा रही है देखना यह है कि ऐसे असंवैधानिक निर्माण कार्य पर शासन प्रशासन अपनी अग्रिम कार्यवाही क्या करता है

गायब अपराधियों के न मिलने पर घर की होगी कुर्की

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमौली कस्बा निवासी अभियुक्त दीपक पुत्र स्वर्गीय चंद्रपाल शिवम पुत्र अनिल हाल मुकाम रोटी गोदाम थाना पिलखना जनपद कानपुर नगर की लाख खोजबीन के बाद अपराधी अभी तक प्रशासन के हाथ नहीं लगे मिली जानकारी के अनुसार अपराधियों पर कोतवाली जनपद फतेहपुर में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 119/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी तथा अभियुक्त अभी तक हाजिर नहीं हुए कल मंगलवार को थाना प्रभारी आलोक कुमार पाण्डेय अपने पुलिस बल समेत स्थानीय चौकी अमौली से अतिरिक्त पुलिस बल लेकर अभियुक्त गणों के घर पर नोटिस चस्पा करते हुए गांव में मुनादी कराई समस्त ग्रामीणों को सूचना दी गई यह दोनों अपराधी यदि न्यायालय में समय रहते हाजिर नहीं हुए तो इनकी चल अचल संपत्ति जल्द ही कुर्क कर ली जाएगी

मेरठ में हापुड़ अड्डा-भूमियापुल जाम के खिलाफ प्रदर्शन

- क्षेत्रवासियों ने हाथों में पोस्टर लेकर निकाला मार्च

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , हापुड़ अड्डा से भूमिया पुल तक लगने वाले जाम की समस्या को लेकर प्रहलाद नगर क्षेत्र के निवासियों ने प्रदर्शन किया। क्षेत्रवासी हाथों में पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे और लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या के तत्काल समाधान की मांग की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे और बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि यह मार्ग पिछले कई महीनों से रोजाना जाम की चपेट में रहता है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि जाम के कारण एंबुलेंस में मरीज फंसे रह जाते हैं, अंतिम संस्कार के लिए जा रही अर्थियां रुक जाती हैं और स्कूली बच्चे परीक्षा के दिनों में समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते। व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और राहगीरों को भी इस जाम के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रहलाद नगर के निवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित विभागों और पुलिस प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया है। हालांकि, अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। इसी से नाराज होकर लोगों ने

शांतिपूर्ण प्रदर्शन का रास्ता चुना और पोस्टर के माध्यम से अपनी समस्या व्यक्त की।

घना कोहरा, विजिबिलिटी 10 मीटर

8डिग्रीपारा, भयंकर ठंड की चेतावनी; डॉक्टर्स बोले- जरूरी हो तभी घर से निकलें बाहर

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , घने कोहरे और कड़ाके की सर्दी ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह से ही शहर पर कोहरे की मोटी चादर छा गई। इससे दृश्यता करीब 10 मीटर रही। मौसम विभाग ने आने वाले तीन दिनों में भयंकर ठंड की चेतावनी जारी की है। डॉक्टरों का कहना है कि जरूरी हो तभी घरों से बाहर निकलें। चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला के अनुसार दिन का अधिकतम तापमान 19.5त्उ और रात का न्यूनतम तापमान 8.4डिग्री दर्ज किया गया। वहीं शहर की हवा भी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई और मेरठ का अदक 328 रिकॉर्ड किया गया।

पहाड़ों की बर्फबारी से बढ़ी ठिठुरन

पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी क्षेत्रों में साफ नजर आने लगा है। ठंडी हवाओं और गिरते तापमान ने ठिठुरन बढ़ा दी है। सुबह और देर रात सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। आवश्यक काम से बाहर निकलने वाले लोग भी पूरी तरह सर्दी से बचाव के इंतजामों में नजर आए।

सड़कों पर रेंगते रहे वाहन

कोहरे के कारण कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए चलते दिखाई दिए, जिससे हादसों की आशंका बनी रही। दिल्लीझ्देहरादून हाईवे पर भी वाहनों की रफ्तार धीमी रही और दोपहर 12 बजे तक कोहरा छाया रहा। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों और मरीजों को झेलनी पड़ी।

मुस्कान की बेटी हुई तो साहिल ने कहा- पार्टी दूंगा

- बंदियों से बोला- तुम चाचा बने; जेल में रहे छात्र नेता ने बताई अंदर की कहानी

अमन लेखनी समाचार

पुनिया/मेरठ, नीले ड्रम में पति सौरभ को काटकर सीमेंट से जमा देने वाली मुस्कान और साहिल 10 महीने से जेल में हैं। मुस्कान ने 24 नवंबर को हॉस्पिटल में बेटी राधा को जन्म दिया। साहिल को जिस बैरक में रखा गया है, उसके साथ सजा काट रहे छात्र नेता अक्षय बैंसला को 24 दिसंबर को जमानत मिली।48 दिन जेल में रहे अक्षय ने साहिल को बताया कि मुस्कान को बेटी हुई है। तब उसने कहा कि तुम सब चाचा बन गए हो। जेल से निकलने दो, तुम सबको पार्टी दूंगा। छात्र नेता बोले- साहिल को देखकर जेल में डर गया थाअक्षय बैंसला मेरठ शहर से 15ङ्क्त दूर खानपुर गांव का रहने वाला है। उसके खिलाफ मेरठ यूनिवर्सिटी में गोली चलाने के आरोप हैं। वो 6 नवंबर को जेल गया, 24 दिसंबर को जमानत पर बाहर आ गया है। इन 48 दिनों में अक्षय को जिस बैरक में रखा गया, उसमें सौरभ की लाश को 4 टुकड़ों में काट देने वाला साहिल शुक्ला भी था। अक्षय कहते हैं- स्टूडेंट पॉलिटिक्स करते हुए मैं पहले भी जेल गया, मगर इस बार डरा हुआ था। जिस बैरक में रखा गया, वहां मैंने साहिल को देखा

5 करोड़ खर्च, 5 लाख भी नहीं आय

अब 2 करोड़ और खर्च की योजना, कूड़ा निस्तारण व्यवस्था ठप

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर ,नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन निकलने वाले 90 टन कूड़े के निस्तारण और उससे आय बढ़ाने की योजनाएं विफल रही हैं। अब तक पांच करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं, लेकिन पालिका को पांच लाख रुपए की भी आय नहीं हुई है। इसके बावजूद अधिकारी प्रति वर्ष करीब दो करोड़ रुपये और खर्च करने की तैयारी में हैं। सोमवार दोपहर को नगर पालिका की बोर्ड बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक के एजेंडे में 60 से अधिक प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। इनमें से अधिकांश प्रस्ताव सामान्य प्रकृति के हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हैं, क्योंकि वे ऐसी व्यवस्थाओं पर आधारित हैं जो पहले से ही ठप पड़ी हैं। एक प्रस्ताव के तहत, घर-घर से कूड़ा उठाने के दौरान लोगों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक वाहन पर एक-एक सफाई मित्र तैनात करने की योजना है। इस पर प्रति वर्ष लगभग 80 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।सफाई मित्र तैनात करने की योजनाहालांकि, नगर पालिका के पास गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग एकत्रित करने या डंपिंग ग्राउंड पर रखने की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सफाई मित्रों की तैनाती का कोई

विशेष लाभ नहीं मिल पाएगा। इसके अतिरिक्त, कूड़ा निस्तारण के लिए बनाए गए एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर भी वर्तमान में संचालित नहीं हो रहे हैंलोगों को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए भी लगभग एक करोड़ रुपए के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इन प्रस्तावों में होर्डिंग्स, बैनर-पोस्टर लगाना, नुक्कड़ नाटक और छोटे कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है।पिछले वर्ष भी जागरूकता अभियानों पर लगभग 50 लाख रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद स्वच्छता रैंकिंग में अपेक्षित सुधार देखने को नहीं मिला था।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी मेरठ पहुंचे

डेढ़ घंटे की बैठक में पश्चिम यूपी की रणनीति तय होगी, 400 नेता शामिल होंगे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पहली बार मेरठ पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष पश्चिम क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों के साथ इवाया (इवाना) रिसॉर्ट में बैठक कर रहे हैं। यह पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय बैठक है, जिसमें लगभग 400 नेता और पदाधिकारी शामिल हैं। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा- मैं कार्यकताओं का दर्द भली-भांति समझता हूं। दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश तक संगठन में काम किया है। इसलिए कार्यकताओं की समस्याओं और संघर्षों से मैं भली-भांति परिचित हूं। उन्होंने दिल्ली आने वाले कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। कहा कि कई बार ऐसे हालात भी बने, जब मैं दिल्ली में संसद के काम में व्यस्त होता था, तभी घर से फोन आता था कि घर का सोफा और कुर्सियां टूटने की स्थिति में हैं। इसके बावजूद पार्टी के लिए लगातार जुटे रहना मेरी प्राथमिकता रही।

काशी टोल प्लाजा पर भव्य स्वागत

पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत काशी टोल प्लाजा से ही शुरू हो गया था। घने कोहरे के बावजूद सुबह से ही बड़ी संख्या में भाजपाई नेता और कार्यकर्ता टोल प्लाजा पर डेरा जमाए रहे। टोल के एक ओर कुर्सियां लगाकर स्वागत स्थल तैयार किया गया था जैसे ही पंकज चौधरी काशी टोल पहुंचे, कार्यकताओं ने आतिशबाजी करते हुए उनका भव्य स्वागत किया। उनकी गाड़ी में पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसोदिया भी मौजूद थे। कार्यकताओं की भीड़ इतनी अधिक थी कि काफिला आगे नहीं बढ़ पा रहा था हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को रस्सी लगाकर भीड़ रोकनी पड़ी, इसके बावजूद कार्यकर्ता हटने को तैयार नहीं थे।

पश्चिम के जिलों से जोड़ेंगे पदाधिकारी

पंकज चौधरी मेरठ में मेरठ समेत अन्य जिलों के जिला अध्यक्ष और महानगर अध्यक्षों से के साथ भी एक बैठक करेंगे इन्हीं की तैयारी को लेकर मेरठ में भाजपाई जुटे हुए हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर कारों की टक्कर, दो में लगी आग

जेवर-नोएडा मार्ग पर तीन कारें टकराई, दो लोग मामूली घायल

अमन लेखनी समाचार

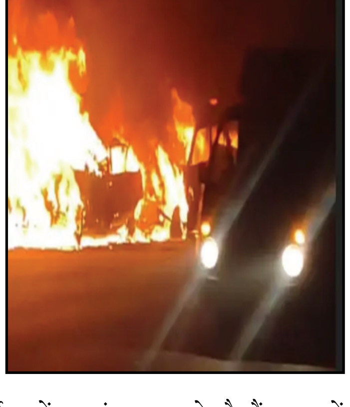

जेवर, ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर देर रात एक सड़क हादसा हो गया। जेवर से नोएडा की ओर जा रही तीन कारें आपस में टकरा गईं। जिसके बाद दो कारों में आग लग गई। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। यह हादसा थाना रबूपुरा क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के 20 किलोमीटर माइलस्टोन के पास रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में टाटा पंच, टाटा सूमो और ग्रैंड 10 कारें शामिल थीं। टक्कर के बाद टाटा पंच और टाटा सूमो में आग लग गई, जिससे दोनों गाड़ियां पूरी तरह जल गईं। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों कारें जलकर खाक हो चुकी थीं। दुर्घटना में घायल हुए दो लोगों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है।

बैग में 25 साल की लड़की का शव मिला

हाथ-पैर बंधे, चेहरा जला; हत्या करके नोएडा में कूड़े में फेंका

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, नोएडा में काले बैग के अंदर लड़की का शव मिला है। उम्र 22 से 25 साल के बीच की है। नोएडा में 25 साल की लड़की की हत्या कर दी गई। शव को बैग में भरकर कूड़े में फेंक दिया। लड़की के हाथ-पैर बंधे थे। चेहरा भी जला हुआ था। शव देखकर ऐसा लग रहा है कि तड़पाकर हत्या की गई, फिर पहचान न हो इसलिए लाश को जलाने की कोशिश की गई। सेक्टर-142 में शनिवार को डंपिंग यार्ड में बैग पड़ा था। कूड़ा बीनने के लिए कुछ युवक पहुंचे। उन्होंने बैग खोला तो लाश देखकर डर गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी। फोरेंसिक टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। लड़की की उम्र 22 से 25 साल के बीच है। फिलहाल, लड़की की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शिनाख्त के लिए आसपास के सभी आसपास के थानों और जिलों से संपर्क किया जा रहा है। काले रंग के बैग में लाश को रखा दोपहर कूड़ा बीनने वाले बच्चे और महिलाएं डंपिंग ग्राउंड पर कूड़ा बीन रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक काले रंग का बैग दिखाई दिया। बैग के अंदर एक लड़की का शव मिला। लड़की ने लोअर और टी-शर्ट पहन रखी थी। हाथ-पैर कपड़े से बंधे हुए थे। शुरूआती जांच में शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। सेक्टर-142 में जहां शव मिला। वह जगह नोएडा का मेन डंपिंग ग्राउंड है। शहर का ज्यादातर कूड़ां यहां ही डाला जाता है। इलाका सुनसान रहता है। आम लोगों की आवाजाही बहुत कम है। अधिकतर कूड़ा ढोने वाली गाड़ियां ही आती हैं। माना जा रहा है कि इसलिए शव ठिकाने के लिए चुना है। डपिंग यार्ड से सड़क करीब 5 किमी है। आसपास कोई रिहायशी कालोनी नहीं है। नोएडा ग्रेटर एक्सप्रेस वे काफी दूर है लड़की के हाथ और पैर बंधे हुए थे। जिस बैग में शव मिला, वो काले रंग का था लड़की के हाथ और पैर बंधे हुए थे। जिस बैग में शव मिला, वो काले रंग का था। 2 एंगल पर पुलिस की जांच 1- ऑनर किलिंग में लड़की की हत्या की गई। इसके बाद शव को बैग में पैक करके फेंक दिया। इसकी वजह यह है कि पुलिस को अभी तक कहीं से किसी लड़की के गायब होने की सूचना नहीं मिली है।

जेवर के नीमका, बेगमाबाद में 94 लाख के विकास कार्य

सड़क, नाली सहित कई परियोजनाओं का हुआ शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

जेवर , जेवर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नीमका और बेगमाबाद में लगभग 94 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इन परियोजनाओं की शुरूआत स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थिति में हुई, जिससे ग्रामीण विकास को नई गति मिली है। ग्राम नीमका में अशोक कुमार द्वारा 59 लाख रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। वहीं, ग्राम बेगमाबाद में निरोत्तम बघेल के माध्यम से 34 लाख रुपए की लागत से प्रस्तावित कार्यों का शुभारंभ हुआ। इन कार्यों में सड़क निर्माण, नाली व्यवस्था, जनसुविधाएं और बुनियादी ढांचे से संबंधित कार्य शामिल हैं, जिनसे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार का लक्ष्य है कि गांवों में सड़क, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं का सतत और समग्र विकास हो, ताकि ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार आए। उन्होंने आगे कहा कि जेवर में निमार्णाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट केवल एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत की दिशा और दशा बदलने वाला साबित होगा। एयरपोर्ट के निर्माण से क्षेत्र में रोजगार, निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे युवाओं और किसानों को नए अवसर प्राप्त होंगे।

पुलिस अधीक्षक ने नवीन रिक्रूट प्रशिक्षण का किया निरीक्षण, तीन नए आपराधिक कानूनों पर विशेष फोकस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस लाइन सोनभद्र में नवीन रिक्रूट पुलिसकर्मियों की चल रही प्रशिक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत आरटीसी (फळउ) कक्षा का भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षणरत रिक्रूटों से संवाद स्थापित कर उनकी चल रही कक्षा, प्रशिक्षण पद्धति एवं विषयवस्तु के संबंध में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा रिक्रूटों से तीन नए आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई। उन्होंने इन नए कानूनों के उद्देश्य, प्रमुख प्रावधानों, पुराने कानूनों से उनके अंतर तथा व्यवहारिक पुलिसिंग में इनके प्रभाव को लेकर रिक्रूटों की समझ का आकलन किया। पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षणरत पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि नए आपराधिक कानूनों की गहन जानकारी एवं व्यवहारिक समझ आधुनिक, संवेदनशील और प्रभावी पुलिसिंग के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी रिक्रूट प्रशिक्षण अवधि के दौरान कानूनों का नियमित अध्ययन करें, केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करें तथा फील्ड में कानूनों के सही अनुप्रयोग पर विशेष ध्यान दें। इसके अतिरिक्त उन्होंने अनुशासन, जनसामान्य के प्रति संवेदनशील व्यवहार, मानवाधिकारों का सम्मान, तकनीक के समुचित उपयोग तथा उत्तरदायी पुलिसिंग को अपने कार्य का मूल मंत्र बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रतिसार निरीक्षक मो0 नदीम, वाचक पुलिस अधीक्षक, लक्ष्मण पर्वत एवं प्रशिक्षण अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदिर का ताला तोड़कर आभूषण चोरी करने वाले को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

चोरी का आभूषण व स्कूटी पुलिस ने किया बरामद

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सर्दियों का मौसम शुरू होते ही चोरी की घटना में इजाफा होने लगता है पुलिस की रात्रि गश्त से चोरी की घटना पर लगाम जरूर लगा है लेकिन बीते 23 दिसंबर की रात को कोतवाली थाना क्षेत्र के माया बाजार स्थित हट्टीमाता मंदिर से मुकुट चोरी होने का मामला प्रकाश में आया था पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना के खुलासे के लिए एसपी सिटी अभिनव त्यागी के निर्देश पर कोतवाली थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह के नेतृत्व में टीम गठित करके चोर की तलाश की जा रही थी पुलिस ने मंदिर के पास लगा सीसीटीवी कैमरे की मदद से आखिरकार चोर की पहचान करने में कामयाब रही। पुलिस ने आरोपी छोटू उर्फ इसराइल अंसारी पुत्र सिकंदर अंसारी निवासी भुजौली बाजार थाना खड्डा जनपद कुशीनगर हाल पता चकसा हुसैन हुसैनाबाद थाना गोरखनाथ के रूप में पहचान हुई। आरोपी के पास से पुलिस ने पीली धातु का मुकुट, सफेद धातु का छत्र छोटा व बड़ा पीली धातु का मांग टीका 370 नगद और चोरी की स्कूटी बरामद करने में सफलता हासिल किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विवेक कुमार चतुवेर्दी ,उपनिरीक्षक आशीष कुमार, कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल मुकेश कुमार बिंद शामिल रहे।

322 विधानसभा शहरी में जूनियर-सब जूनियर खेल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन

मुख्यमंत्री योगी ने विजेताओं को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। 322 विधानसभा शहरी क्षेत्र के अंतर्गत जूनियर व सब-जूनियर वर्ग की खेल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबाल, जूडो एवं कुश्ती जैसी प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। कार्यक्रम का आयोजन वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में हुआ, जहां खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर खेल प्रतिभा का परिचय दिया। कुश्ती प्रतियोगिता में शुभम यादव (बिछिया) और अनुराग के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें शुभम यादव ने शानदार जीत दर्ज कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं कबड्डी का फाइनल मुकाबला रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम और नीना थापा टीम के बीच खेला गया, जिसमें रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम ने फाइनल जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि ह्लजीवन में सफलता का हर मार्ग खेल से होकर गुजरता है। खेल न केवल शारीरिक विकास करता है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है ह्व मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आने वाले समय में वार्ड स्तर पर भी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे ग्रामीण व शहरी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंत्री डॉ. संजय निषाद, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद यादव, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, सांसद रवि किशन, विधायक विपिन सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, एमएलसी ध्रुव कुमार, महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी, खेल निदेशक आर.पी. सिंह, क्षेत्रीय खेल अधिकारी आविद हैदर, कुश्ती संघ गोरखपुर के अध्यक्ष दिनेश सिंह, प्रदीप शुक्ला, राजेश त्रिपाठी सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी व खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन गोरखपुर को खेल प्रतिभाओं की नई पहचान दिलाएंगे और प्रदेश को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाने वाले खिलाड़ी तैयार होंगे।

खास समाचार

30 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान, जरूरतमंदों को मिलेगा लाभ

श्री राम कथा पर रक्तदान शिविर आयोजित

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुरः- दिव्यनगर कॉलोनी में श्री राम कथा के उपलक्ष्य में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। श्री हॉस्पिटल ब्लड बैंक और कॉम्पोनेंट केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में लगभग 25 से 30 लोगों ने रक्तदान किया। यह शिविर सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चला। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. अनुराधा सिंह और उनके पति डॉ. आनंद कुमार सिंह द्वारा किया गया। शिविर के सफल संचालन में वर्तमान पार्षद राजा यादव और पूर्व पार्षद हीरालाल यादव ने श्री राम कथा के सम्मानित सदस्यों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अस्पताल की डायरेक्टर डॉ. अनुराधा सिंह और डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि लोगों के स्वैच्छिक योगदान से जरूरतमंदों और गरीबों को आवश्यकतानुसार रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी मरीज रक्त के अभाव में इलाज से वंचित न रहे। रक्तदान करने वाले व्यक्तियों को ब्लड बैंक के डायरेक्टर ने रक्तदान प्रमाण पत्र और साल कैलेंडर देकर सम्मानित किया। शिविर में सुनीता देवी, सुषमा मिश्रा, सूर्यकांत पांडेय, धीरज पाण्डेय, पूनम सिंह, विनय पाण्डेय, अमित मिश्रा, विजय शुक्ला, सदाशिव तिवारी, संतोष मौर्य सहित कई अन्य लोगों ने रक्तदान कर इस आयोजन को सफल बनाया।

क्षेत्राधिकारी घोरावल द्वारा थाना शाहगंज का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण, कार्यप्रणाली सुदृढ़ करने हेतु दिशा-निर्देश जारी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय द्वारा थाना शाहगंज का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाने पर संधारित अभिलेखों, मालखाना, शस्त्रागार, अभिरक्षा व्यवस्था, सीसीटीएनएस, लंबित एवं प्रचलित विवेचनाओं की प्रगति, कार्यालय कक्ष, भोजनालय तथा थाना परिसर की साफ-सफाई आदि का गहनता से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत थाना प्रभारी शाहगंज सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाए रखने, अभिलेखों के समुचित व अद्यतन संधारण, विवेचनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा आमजन के साथ शालीन, संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी द्वारा मिशन शक्ति अभियान की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित टीम को निर्देशित किया गया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन से संबंधित अभियानों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। महिलाओं की चौपाल, जनजागरूकता कार्यक्रमों एवं अन्य माध्यमों से महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं हेल्पलाइन नंबरों की व्यापक जानकारी दी जाए। साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र पर प्राप्त महिलाओं से संबंधित प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

अवैध खनन, अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण लगाने हेतु की जाये प्रभावी कार्यवाही-जिलाधिकारी

अवैध खनन व अवैध परिवहन पर प्रतिबन्ध लगाने हेतु गठित टीमों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाये- जिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय टास्कफोर्स की बैठक की गयी, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर प्रतिबन्ध लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही न बरती जायें। उन्होंने कहा कि अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु गठित टीम द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण किया जाये और अवैध परिवहन व खनन में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाये, उन्होंने कहा कि बालू, गिट्टी से सम्बन्धित जो पट्टे समाप्त हो गये है और उनका संचालन नहीं हो रहा है, उन पट्टों के संचालन हेतु नया विज्ञापन जारी कर नये पट्टे देने की कार्यवाही की जाये और राजस्व की वसूली प्रतिमाह निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सुनिश्चित की जाये, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, उन्होंने कहा कि खनन पट्टों से सम्बन्धित वन विभाग के पास जो भी पत्रावली लम्बित है, उसका निस्तारण समय से कराना सुनिश्चित करेंगें, इस दौरान उन्होंने कहा कि खनन विभाग, ए0आर0टी0ओ0 द्वारा ओवर लोडिग करने वाले वाहनों की जॉच प्रभावी ढंग से की जाये। उन्होंने कहा कि अपर जिलाधिकारी सम्बन्धित उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकरी द्वारा खनन पट्टों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, ज्येष्ठ खान अधिकारी कमल कश्यप सहित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

करईल ग्राम प्रधान ने राहगीरों के लिए अलाव की व्यवस्था की: बढ़ती ठंड और कोहरे के कारण प्रशासन की कमी पूरी की

अमन लेखनी समाचार

कोन (सोनभद्र), ।थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत करईल में ग्राम प्रधान शोभनाथ ने राहगीरों के लिए अलाव की व्यवस्था की है। यह पहल बढ़ती ठंड और घने कोहरे के मद्देनजर की गई है, क्योंकि स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक कोई व्यवस्था नहीं थी। ग्राम प्रधान शोभनाथ ने स्वयं कस्बा तिराहे पर अलाव जलाकर इस अभियान की शुरूआत की। इस व्यवस्था से क्षेत्र के नागरिकों ने ग्राम प्रधान की खूब प्रशंसा की है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में लगातार ठंड और कोहरे का प्रकोप बढ़ रहा है। कस्बा तिराहे जैसे प्रमुख स्थानों पर भी प्रशासन द्वारा अलाव की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी कमी को देखते हुए ग्राम प्रधान ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया। ग्राम प्रधान ने बताया कि यह अलाव अगले ठंड के दिनों तक लगातार जलाया जाएगा। गांव के कुछ नागरिकों ने भी इस बात की पुष्टि की कि चौराहे पर पहले अलाव की कोई सुविधा नहीं थी और यह व्यवस्था ग्राम प्रधान द्वारा ही की गई है। आज, ग्राम पंचायत करईल के बुद्ध बाजार और सीताकुंड में छठ घाट पर अलाव की उचित व्यवस्था की गई है। ग्राम प्रधान ने यह भी बताया कि आवश्यकता पड़ने पर अन्य स्थानों पर भी अलाव की व्यवस्था की जाएगी।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक, राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिये निर्देश

शासन द्वारा निर्धारित महीने के लक्ष्य के अनुरूप वसूली के कार्य में लाया जाये तेजी- जिलाधिकारी

सी0एम0 डैशबोर्ड में रैंकिंग में कमी व धान खरीद में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी ने डिप्टी आर0एम0ओ0 को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के दिये निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यक्रमों व कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक की, सी0एम0 डैशबोर्ड में रैंकिंग में कमी व धान खरीद में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी ने डिप्टी आर0एम0ओ0 को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश दियें, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि धान खरीद हेतु कृषक बन्धुओं को धान क्रय केन्द्रों पर समुचित व्यवस्था उपलब्ध करायी जाये, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही न बरती जायें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि रिटायरमेन्ट कर्मचारियों के देयक का भुगतान समय से किया जाये, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जायें। बैठक में जिलाधिकारी ने मानक के मुताबिक वसूली के लक्ष्य को पूरा करने, तहसील स्तरों पर बकायेदारों पर वसूली की कार्यवाही करने, आर0सी0 का नियमित मिलान करने के साथ ही सरकारी जमीनों को सुरक्षित करते हुए जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धितों को दिये गये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित महीने के अनुरूप लक्ष्य वसूली के कार्य में तेजी लाया जाये, जिससे राजस्व वसूली के प्रगति में तेजी लाया जा सकें, इस कार्य में शिथिलता न बरती जायें, लक्ष्य पूरा न करने वालों की जिम्मेदारी तय की जाये। उन्होंने कहा कि तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से करने के लिए कड़ाई के साथ उप जिलाधिकारी व तहसीलदार राजस्व कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाय, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाये, किसी भी हाल में जनता के साथ अन्याय न होने पायें, इसका भी ध्यान दिया जाये। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बाजार में बिकने वाले खाद्य सामग्री की जॉच कराते रहें, ताकि किसी प्रकार प्रकार की मिलावटी की स्थिति न आने पायें, इसके लिए छापेमारी की कार्यवाही में तेजी लाया जायें और जो भी शासन द्वारा मानक व फामूर्ला निर्धारित किया गया है, उसका अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगें।

मुख्य विकास अधिकारी ने आकांक्षी जनपद विकास कार्यों की समीक्षा की

टीकाकरण और महिला साक्षरता पर दिया विशेष जोर।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में आकांक्षी जनपद एवं आकांक्षी ब्लॉक विकास कार्यक्रम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास से संबंधित विभिन्न सूचकों की प्रगति को विस्तार से परखा उन्होंने स्वास्थ्य और पोषण विभाग को आपसी समन्वय बढ़ाते हुए गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं से संबंधित योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत संतृप्त करने का कड़ा निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि जो लाभार्थी अब तक योजनाओं से वंचित रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर तत्काल स्वास्थ्य और पोषण की योजनाओं में नियमित रूप से सम्मिलित किया जाए। टीकाकरण की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि आमजन को टीकाकरण की तिथि और समय के प्रति जागरूक करें ताकि सभी लक्षित बच्चों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित हो सके। साथ ही, जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आँगनबाड़ी केंद्रों पर सभी उपकरण और सामग्री उपयोग में लाने योग्य और व्यवस्थित रहे तथा खराब उपकरणों को तत्काल सही कराया जाए। शिक्षा के क्षेत्र में मुख्य विकास अधिकारी ने प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर पर हुए शत-प्रतिशत नामांकन पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन साथ ही उच्च प्राथमिक से माध्यमिक कक्षाओं में छात्रों के प्रवेश को भी पूर्ण करने हेतु बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को आगामी सत्र के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। जनपद की महिला साक्षरता दर को बढ़ाने के उद्देश्य से उन्होंने 15 वर्ष से ऊपर की निरक्षर महिलाओं को श्उल्लास ऐपश पर पंजीकृत करने और मार्च 2026 में होने वाली श्नव भारत साक्षरता अभियानश परीक्षा में उन्हें प्रतिभाग कराने हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं जैसे शौचालय, बिजली और पेयजल की सक्रियता हेतु संबंधित विभागों को पंचायती राज विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा गया बैठक में कृषि विभाग को निर्देशित किया गया कि वे किसानों के साथ बैठक कर मृदा परीक्षण के लाभ से अवगत कराएं, सैम्पल की जांच कर उन्हें खाद-बीज का मार्गदर्शन दें और सूक्ष्म सिंचाई उपकरणों की उपलब्धता के प्रति जागरूकता फैलाएं ताकि सीमित जल संसाधनों में अधिक उत्पादन करने की क्षमता विकसित कर सकें। जिला उद्यान अधिकारी को समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने एवं सूक्ष्म सिंचाई से संबंधित सूचक में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिया गया है। समावेशन की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने अग्रणी बैंक मैनेजर को बैंकों में केंद्र सरकार की पेंशन, बीमा और ऋण योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार व दावा निस्तारण को गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने के निर्देश दिए। अंत में, मुख्य विकास अधिकारी ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समस्याओं के समाधान हेतु एक प्रभावी एक्शन प्लान बनाकर कार्य करें, जिससे जनपद और ब्लॉक स्तर पर लाभार्थियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके और विकास रैंकिंग में भी अपेक्षित सुधार सुनिश्चित हो।

पुलिस-जन संवाद को मजबूत करने की दिशा में जनता दर्शन का कार्यक्रम

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक ने सुनीं आमजन की शिकायतें।

पारदर्शी एवं निष्पक्ष कार्यवाही के निर्देश, फरियादियों को मिलेगा न्याय।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर पुलिस अधीक्षक सख्त, अधिकारियों को दिए स्पष्ट निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय सोनभद्र में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान दूरझदराज क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनता दर्शन में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, उत्पीड़न सहित विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित प्रकरणों की वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई तथा शिकायतों के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों में समुचित जांच कर विधिक एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा फरियादियों को अनावश्यक रूप से थानों के चक्कर न लगाने पड़ें। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकताओं से शालीन व्यवहार करते हुए उन्हें कार्यवाही की प्रगति से अवगत कराया जाए। जनता दर्शन के माध्यम से आमजन और पुलिस के बीच संवाद को सशक्त करने तथा पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करने की दिशा में यह पहल निरंतर जारी रहेगी।

शक्तिनगर पुलिस की मुस्तैदी से टली बड़ी अनहोनी, ट्रेन रुकवाकर बचाई युवक की जान

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। थाना शक्तिनगर पुलिस को डायलझ्र112 के माध्यम से अत्यंत गंभीर सूचना प्राप्त हुई कि संतोष केशरी पुत्र गोपाल केशरी, निवासी खडिया, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र (उम्र लगभग 42 वर्ष) आत्महत्या की नीयत से खडिया के पास रेलवे पटरी पर लेटा हुआ है। सूचना मिलते ही शक्तिनगर पुलिस ने बिना एक पल गंवाए तत्परता, साहस एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए डायलझ्र112 पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर आ रही ट्रेन को दूर से रुकवाया और युवक को सुरक्षित रेलवे पटरी से हटाकर उसकी जान बचाई। युवक को सकुशल थाना लाकर उसके परिजनों को बुलाया गया, जहां पुलिस द्वारा मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समझा-बुझाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। शक्तिनगर पुलिस की इस त्वरित एवं साहसिक कार्रवाई से एक अनमोल जीवन बच सका। इस सराहनीय कार्य पर युवक के परिजनों द्वारा शक्तिनगर पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक- श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक - रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

स्त्री की संपन्न दृष्टि वाला नया साल

नव-वर्ष का आगमन.. नई आशाओं का सवेरा, भीतर नई ऊर्जा का संचार। इससे भला स्त्रियां कैसे अछूती रहेंगी। इनके लिए नूतन वर्ष नए अर्थ लिए आता है। वे ऐसे धरातल तैयार करती हैं, जिसमें स्त्री की अपनी संपन्न दृष्टि हो, उनकी अस्मिता हो, उनका आत्म-सम्मान हो।

आवरण कथा
कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

नया साल कोई हिसाब नहीं, बल्कि समय की वह दहलीज है, जहां प्रकृति स्वयं पुराना उतारकर नए के प्रति आकर्षित होकर उसकी ओर बढ़ती है। पेड़ अपने गिरे पत्ते नहीं चुनते। नदियां पीछे छूटे मोड़ों को नहीं गिनतीं। वे तो नए उत्साह में प्रवाह में बने रहना जानती हैं। प्रकृति का हर नया चक्र यह सिखाता है कि नया आना कोई घटना नहीं, बल्कि एक स्वाभाविक आग्रह है। जीवन की जिद, जो बिना शोर किए आगे बढ़ती रहती है। इसी आग्रह के साथ नया साल आता है। वह एक संभावना की तरह उपस्थित होता है, जिसमें पुराना स्वतः पीछे छूटने लगता है। यह समय स्मृतियों का बोझ ढोने के लिए नहीं, बल्कि चयन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। क्या साथ रखना है और क्या छोड़ देना है।

वर्तमान को खोलें नए अर्थों के लिए: नया साल हमें यह अनुमति देता है कि हम कष्टकारी अनुभवों पर मिट्टी डालें और वर्तमान को नए अर्थों के लिए खोलें। यहीं से स्त्री की संपन्न दृष्टि आकार लेती है। वह इस प्राकृतिक आग्रह को पहचानती है। उसकी उमंग किसी प्रतिरोध से नहीं, बल्कि जीवन की उसी सहज गति से जन्म लेती है, जो हर मौसम को बदलने का साहस देती है। स्त्री जानती है कि आगे बढ़ने के लिए कठोर होना जरूरी नहीं, कभी-कभी भरोसा ही सबसे बड़ी शक्ति बन जाता है, इस बात पर कि जीवन की संभावना अब भी शेष है।

नए साल में तैयार होते हैं नए धरातल: स्त्री बीते साल से कुछ अनुभव, कुछ चोटें, कुछ सीखें लेकर अपने नए साल का धरातल तैयार करती है। लेकिन अब नए जमाने की स्त्री, पुराने को सहेजकर नहीं रखती। जो कष्टकारी था, उसे भूलने का संकल्प भी उसकी संपन्न दृष्टि का ही हिस्सा है। भूलना यहां पलायन नहीं है, बल्कि चयन है। वह जानती है कि हर याद को सहेजना आवश्यक नहीं। कुछ स्मृतियों को छोड़ देना ही आगे बढ़ने की शर्त बन जाता है। इसलिए नया साल उसके लिए प्रार्थना से ज्यादा, क्षमा करने का अभ्यास भी बन जाता है।

विनम्र भाव से नए साल का करें स्वागत: आज की पढ़ी-लिखी सचेत स्त्री अपने आपको यह अनुमति देती है कि जो अधूरा रह गया, उसे अपराधबोध में बदलने की बजाय सीख में बदले। नए के लिए स्त्री की विनम्रता उल्लेखनीय होती है। यह विनम्रता आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि जीवन के प्रति खुलापन है। वह यह स्वीकार करती है कि सब कुछ उसके नियंत्रण में नहीं होगा, फिर भी वह प्रयास से पीछे नहीं हटती। इस विनम्रता में अहंकार का त्याग है, पर आत्मसम्मान की कमी नहीं।

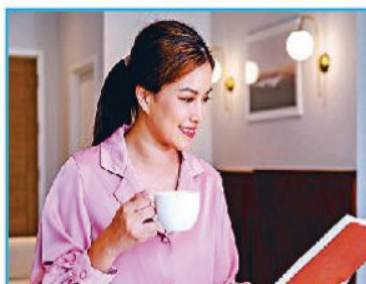

स्त्री नए साल से अपेक्षाएं रखती है, पर उन्हें आदेश की तरह नहीं, संवाद की तरह रखती है। जैसे जीवन से कह रही हो, 'मैं तैयार हूं, तुम जो भी लाओगे, मैं सीखते हुए स्वीकार करूंगी।'

भीतर से सजने-संवरने का अवसर: नया साल स्त्री को अपने आप को सजाने-संवारने की ओर भी उन्मुख करता है। यह सजना केवल बाहरी नहीं होता। हालांकि वह कपड़ों, रंगों और आईने के सामने खड़े होने के छोटे-छोटे उत्सवों को भी महत्व देती है, लेकिन असली साज-संवार भीतर की होती है। विचारों की, इच्छाओं की और उस आत्मविश्वास की, जो समय के साथ परिपक्व हुआ है। वह अपने चेहरे पर उम्र की रेखाओं को अस्वीकार नहीं करती। बल्कि वह उन्हें अनुभव का मानचित्र मानती है। सजना उसके लिए स्वयं को स्वीकार करने की प्रक्रिया है, न कि किसी मानक में ढलने की कोशिश या किसी तारीफ पाने का उपक्रम।

कुछ नया हासिल करने की ताकत रखती है स्त्री: स्त्री की जिद भी साधारण नहीं होती। वह कुछ नया हासिल करने की ताकत रखती है। यह बात उम्र के साथ बदलते हुए सालों में और स्पष्ट हो जाती है। यह जिद नौकरी, लेखन, अध्ययन, कला या किसी भी व्यक्तिगत लक्ष्य में भी प्रकट हो सकती है। स्त्री बड़े घोषणापत्र नहीं बनाती। वह रोजमर्रा के निर्णयों में अपने संकल्प को जीती है। समय पर 'नहीं' कहना, अपने श्रम की कीमत मांगना, अपनी रुचियों के लिए समय निकालना। ये सब उसकी उपलब्धियां हैं। स्वयं को अनदेखा न करना स्त्री सीख रही है।

शांत मन से प्रसन्नता की पुनर्खोज: स्त्री के भीतर प्रसन्नता की पुनर्खोज जारी है। जो बदलते हुए सालों में उजागर होती है। बदलाव की यह प्रसन्नता शोरगुल वाली नहीं होती। पुराने साल की थकान को पीछे छोड़ते हुए, स्त्री नया साल उम्मीद के साथ देखती है। वह जानती है कि चुनौतियां फिर आएंगी, पर वह उनसे डरकर नहीं, तैयारी के साथ मिलती है। उसकी संपन्न दृष्टि उसे यह सिखाती है कि हर संकट स्थायी नहीं होता, और हर बदलाव में संभावना छिपी होती है। वह अब स्वयं को पीड़िता की भूमिका में सीमित नहीं करती। वह कर्ता बनकर आगे बढ़ती है। अपने जीवन की, अपने निर्णयों की साक्षी बनती है।

स्त्री के आत्म-सम्मान का उत्सव नया साल: अंततः स्त्री की संपन्न दृष्टि वाला नया साल आत्म-सम्मान का उत्सव कहलाता है। यह उस स्त्री का साल है, जो अपने अतीत से सीखती है। वर्तमान में सजग रहती है और भविष्य के लिए विनम्र आशा रखती है। वह अपने बच्चों के लिए आशीष बनती है और स्वयं के लिए हमदर्द भी। वह सजती है, संवरती है, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज वह अपने भीतर की रोशनी को पहचानने लगी है।

समय का बदलना भर नहीं है नव वर्ष: स्त्री हर पतझड़ के बाद अपने भीतर वसंत को पुनः जी उठती है, टूटकर भी खिल जाना ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। नया साल उसके लिए समय का बदलना भर नहीं। यह अपने आप से किया गया एक शांत, दृढ़ वादा है कि वह जीवन को पूरी उपस्थिति के साथ जिएगी, और हर दिन को अपनी संपन्न दृष्टि से नया अर्थ देगी। और यह बात वह किसी और से नहीं, सबसे पहले अपनी संतति से बार-बार कहेगी। धीरे-धीरे ही सही, दुनिया बदलती जाएगी। खूबसूरत होती जाएगी। अस्तु..।

बच्चों के प्रति सद्भावनाओं का विस्तार

स्त्री की संपन्न दृष्टि बच्चों तक स्वतः पहुंचती है। नया साल उसके लिए बच्चों के प्रति सद्भावनाओं का विस्तार है। उनके लिए सुरक्षित आकाश, निर्भय प्रश्न और सहज हंसी की कामना है। वह चाहती है कि बच्चे केवल सफल न हों, बल्कि संवेदनशील भी हों। केवल तेज न हों, बल्कि करुणामय भी हों। वह जानती है कि बच्चों की खुशी उसकी अपनी खुशी से अलग नहीं है, लेकिन वह यह भी सीख चुकी है कि बच्चों के नाम पर स्वयं को मिटा देना आवश्यक नहीं। इसलिए वह उनके साथ-साथ अपने लिए भी जगह बनाती है। वह अपने सपनों के लिए सचेत होती है।

बच्चों के लिए स्पेशल बनाएं न्यू ईयर

नए साल का इंतजार और उसका स्वागत बच्चे भी भरपूर उत्साह से करते हैं। आप उनके लिए न्यू ईयर सेलिब्रेशन और आने वाले साल को बहुत स्पेशल बना सकती हैं। इसके लिए आप यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो कर सकती हैं।

बच्चे और आप
नृपेंद्र अभिषेक नृप

नव वर्ष के स्वागत का उत्सव, बच्चों के लिए न केवल मौज-मस्ती और खेलने-कूदने का अवसर होता है, बल्कि उनके विकास, शिक्षा और नैतिक मूल्यों में सुधार, उनको नई दिशा देने, नई शुरुआत करने का भी समय हो सकता है।

किताब पढ़ने को करें प्रेरित: नव वर्ष के अवसर पर आप अपने बच्चों को उपहार के रूप में किताबें दे सकती हैं। प्रेरणादायक कहानियों, ऐतिहासिक घटनाओं और नैतिक मूल्यों पर आधारित किताबें बच्चों में ज्ञान और रचनात्मकता का संचार करती हैं। यही नहीं अगर उनके साथ आप किताबें पढ़ें तो उनमें पढ़ने की रुचि और बढ़ेगी।

खेलें आउटडोर गेम्स: आजकल अधिकतर बच्चे फिजिकल एक्टिविटीज और आउटडोर खेलों से दूर हो रहे हैं। इससे उनमें कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसे में नए साल में आप स्वयं बच्चों के साथ खेलते हुए उन्हें आउटडोर गेम्स खेलने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। इससे उनमें ऊर्जा-उत्साह बना रहेगा। बैडमिंटन, क्रिकेट या फुटबॉल जैसे खेलों के माध्यम से न केवल उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि टीम भावना, नेतृत्व क्षमता का भी विकास होगा।

टैलेंट को उभारें: नव वर्ष के अवसर पर बच्चों के लिए नृत्य, गायन या ड्रामा आयोजित किए जा सकते हैं। यह न केवल उनके टैलेंट को सामने लाने का माध्यम बनेगा, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगा। उनके टैलेंट को पहचानकर आने वाले साल में उनको और प्रोत्साहित करें।

पिकनिक-ट्रैवलिंग: न्यू ईयर सेलिब्रेशन के तौर पर बच्चों को नेचर के करीब या चिड़ियाघर या ऐतिहासिक स्मारकों के पास घुमाने ले जा सकती हैं। आप आने वाले साल में भी जब मौका मिले, अपने बच्चों को ऐसी जगहों पर घुमाने जरूर ले जाएं। ऐसा करना न केवल उनके ज्ञान को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें प्रकृति और इतिहास के महत्व को समझने का अवसर भी देगा।

सोशल वर्क: बच्चों को दूसरों की हेल्प और सोशल वर्क के लिए प्रेरित करने की शुरुआत भी नए साल पर की जा सकती है। जरूरतमंद बच्चों को पुराने कपड़े, खिलौने और किताबें दान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। यह उन्हें दूसरों के प्रति सहानुभूति और मदद का भाव सिखाने में बहुत सहायक साबित होगा।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता: नए वर्ष पर आप अपने बच्चों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। नव वर्ष स्वागत कार्यक्रम के अवसर पर 'हर बच्चे के लिए एक पौधा' जैसे कार्यक्रम बच्चों को रुचिकर लगेंगे। ऐसी गतिविधि उन्हें पर्यावरण संरक्षण के महत्व को सिखाएगी।

स्वच्छता अभियान: बच्चों को अपने आस-पास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों को स्वच्छता का महत्व समझाने के साथ-साथ उनके अंदर जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करेंगी।

योग-व्यायाम: बच्चों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने के लिए योग और व्यायाम वर्कशॉप आयोजित करना कारगर होगा। नव वर्ष की पहली सुबह इसके माध्यम से आप बच्चों को पूरे साल स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

नव वर्ष हमें यह अवसर देता है कि बीते वर्ष में हुई गलतियों को सुधार कर, प्रयासों में रह गई कमी को पहचान कर और सोच में समाई नकारात्मकता को दूर कर हम नई उमंग, नए उत्साह और सकारात्मकता के साथ जीवन में आगे कदम बढ़ाएं। इसके लिए अपनी जीवनशैली और सोच में हमें कुछ परिवर्तन करने होंगे।

सकारात्मकता के साथ नव वर्ष में करें प्रवेश

जीवनशैली
डॉ. मोनिका शर्मा

नया साल, उम्मीदों और उमंगों की पोटली लेकर आता है। साथ ही नई शुरुआत का हौसला भी लाता है। नव वर्ष, कुछ नए कदम बढ़ाने का मुफीद मौका भी होता है। ऐसे में कुछ छोटे-छोटे बदलावों से हमारी जिंदगी पहले से खूबसूरत बन सकती है।

बढ़ाएं मेल-जोल: रिश्ते करीबी हों या दूर के, आज के दौर में लोगों का आपसी मेल-जोल कम ही होता है। यहां तक कि एक ही छत के नीचे रहने वाले लोगों में भी दूरियां आ रही हैं। ऐसे में आने वाले साल में अपनों के साथ मेल-जोल बढ़ाने की सकारात्मक शुरुआत कीजिए। यह समय रहते समझिए कि रिश्तों में जुड़ाव के लिए समय निकालना जरूरी है। वरना एक समय ऐसा भी आता है, जब इंसान के पास समय तो होता है पर रिश्ते कहीं पीछे छूट जाते हैं। अब तो करीबी रिश्तों से लेकर आस-पड़ोस तक मेल-जोल की प्रवृत्ति नहीं दिखती, जबकि यही आपसी जुड़ाव हमारी संस्कृति की पहचान रही है। इस साल जिंदगी की भागम-भाग से कुछ लम्हे रिश्तों को सींचने-सहेजने के लिए निकालिए। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार मजबूत सामाजिक संबंधों वाले लोगों के लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना, उन लोगों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक होती है, जिनके सामाजिक संबंध कम होते हैं। साथ ही स्ट्रेस में कमी, बेहतर मनोदशा, क्रॉनिक डिजीज के जोखिम में कमी और क्वालिटी लाइफ जैसे लाभ तो मिलते ही हैं। ऐसे में बढ़ती सामाजिक-पारिवारिक दूरियों के इस दौर में मिल-जुलकर बैठने-बतियाने के लिए फुर्सत निकालने का रेजोल्यूशन जरूर कीजिए।

भुलाएं बीती बातें: बीती कड़वी बातों को भुलाना, रिश्तों में नया रंग भरने की एक खूबसूरत शुरुआत हो सकती है। कई बार रिश्तों में अनबन हो जाती है। ना चाहते हुए भी दूरियां आ जाती हैं। लेकिन जिंदगी इतनी बड़ी नहीं होती कि ऐसे तकलीफदेह वाकयों को हमेशा के लिए रिश्तों में दर्द और दुःख की वजह बना दिया जाए। बीते कल की बातों को भूलना इसीलिए भी अहम है कि समय के साथ संबंधों में आए बदलावों को समझने और साथ चलने के लिए यही पहला कदम है।

मिलकर खुशियां मनाएं: साझी खुशियों को जीते हुए रिश्तों में दोबारा नयापन लाया जा सकता है। इतना ही नहीं खुशनुमा साथ, बिखरे रिश्तों को भी जोड़ सकता है। एनर्जी से भरपूर और उत्साहित महसूस करने के लिए साझेपन का भाव जरूरी है। हर वर्ष आने वाली वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में शेयर्ड हैप्पीनेस एक अहम फैक्टर होता है। किसी भी देश के लोगों का एक-दूसरे के लिए हेल्पफुल होना, मिल-बांटकर रहना हैप्पीनेस का एक महत्वपूर्ण पहलू बनकर सामने आता है। ऐसे में नए साल में तय कीजिए कि आप अपनों के साथ मिलकर खुशियां मनाएंगी।

सेहत संवारिए

'अच्छा स्वास्थ्य, अंदरूनी शक्ति, शांत मन और आत्मविश्वास लाता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है।' यह कहना है दलाई लामा का। जीवन से जुड़े हर भाव को खुशनुमा ढंग से जीने के लिए अच्छी हेल्थ सबसे जरूरी है। कहते भी हैं कि जिंदगी जीने में और स्वस्थ जिंदगी जीने में बहुत फर्क होता है। आजकल मोटापा, हृदय रोग, किडनी से जुड़ी समस्याएं और कैंसर जैसी व्याधियां कम उम्र में ही देखने को मिल रही हैं। ऐसे में समय पर सेहत से जुड़ी परेशानी को लेकर सतर्क होना जरूरी है। शारीरिक सक्रियता और मानसिक शांति का मेल स्वस्थ जीवन की बुनियाद है। इन संकल्पों के साथ नए वर्ष में प्रवेश करें तो निश्चित ही यह वर्ष हर मायने में खुशहाल होगा।

न्यू ईयर पार्टी के लिए पाएं न्यू मेकअप लुक

मेकअप
निकिता चौहान

नए साल के आने की खुशी में लोग पार्टी खूब एंज्वॉय करते हैं। आप भी ऐसी किसी पार्टी में जरूर शामिल होंगी। पार्टी में अट्रैक्टिव दिखने के लिए डिजाइनर आउटफिट के साथ आपका फेस लुक भी ग्लोरियस होना चाहिए। इस के लिए आपको अपने मेकअप लुक पर पूरा ध्यान देना होगा।

सबसे पहले बेस बनाएं: मेकअप करने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि आपके फेस पर नमी न रहे। इसके लिए टिशू पेपर या वेट वाइप्स से अच्छे से फेस क्लीन करें। फेस को नमी देने के लिए अच्छा-सा मॉयश्चराइजर लगाएं। अपने मेकअप को ज्यादा देर तक रखने और फेस को स्मूथ बनाने के लिए प्राइमर लगाएं। इसके बाद अपनी स्किन के कलर के अनुसार फाउंडेशन लगाएं। आंखों के डार्क सर्कल्स, फेस पिगमेंटेशन और दाग-धब्बों को कवर करने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। इन स्टेप्स से आपका बेस मेकअप परफेक्ट और पूरी तरह नेचुरल लगेगा।

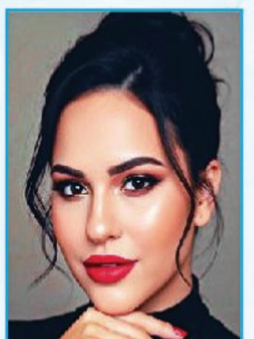

ऐसे करें आई मेकअप: हमारे ओवर ऑल लुक को कंप्लीट करने के लिए आंखों का मेकअप परफेक्ट होना जरूरी है। न्यू ईयर पार्टी के लिए ब्लैक या सिल्वर स्मोकी आई लुक बहुत स्टाइलिश लगेगा। अगर आप हल्का शिमर चाहती हैं तो गोल्ड, सिल्वर या शिमरी आईशैडो लगाएं। विंग्ड आई लुक पाने के लिए आईलाइनर का इस्तेमाल करें। यह आपकी आंखों को अट्रैक्टिव बनाएगा। सबसे आखिरी में मस्कारा लगाकर अपनी आई लैशेस को वॉल्यूम दें। यह आपकी आई लैशेज को घना दिखाएगा।

हाइलाइटर लगाएं: आई मेकअप के बाद आप अपने हाइलाइट पॉइंट्स पर हाइलाइटर जरूर लगाएं। हाइलाइटर आपके फेस को ग्लोइंग लुक देता है। ध्यान रखें कि हाइलाइटर को चीक बोन, नोज की टिप और आईब्रो के नीचे के हिस्से पर लगाएं।

ब्लश है जरूरी: ब्लश आपकी स्किन को नेचुरल लुक देता है। ब्लश से पूरा मेकअप लुक कंप्लीट होता है। आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से ब्लश चूज करें। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि ब्लश को ज्यादा डार्क न लगाएं। ब्लश को लगाते समय हल्के हाथों से लगाएं, इससे आपका ब्लश डार्क नहीं होगा और यह नेचुरल लगेगा।

लगाएं न्यूड लिपस्टिक: लिपस्टिक लगाने से पहले ध्यान रखें कि लिप्स पर आउटलाइन करने के लिए लिप लाइनर का इस्तेमाल करें। आजकल न्यूड लिपस्टिक का ट्रेंड बहुत है। अपने स्किन टोन के हिसाब से लिपस्टिक का प्रयोग करें।

मेकअप सेटिंग स्प्रे: अपने मेकअप को लंबे समय तक सेट रखने के लिए मेकअप सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें। मेकअप सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करके आप अपने न्यू ईयर पार्टी लुक को लंबे समय तक बनाए रख सकती हैं, जिससे आपका मेकअप काफी देर तक ताजगी से भरा दिखेगा।

(ब्यूटी एक्सपर्ट तरन्नुम खान से बातचीत पर आधारित)

भावनाएं

नूतन वर्ष नए सपने-नई उम्मीदें

नए साल में हम नई आशा के साथ नई योजनाएं बनाते हैं ताकि अपनी पहचान को बढ़ाएं। **सहेली** ने अपने-अपने क्षेत्र की कई जानी-मानी महिलाओं से पूछा कि वे नए साल के आगमन को कैसे देखती हैं, बीता साल उनके लिए कैसा रहा और नए साल में उनकी क्या योजनाएं हैं?

नया साल याद दिलाता है हर सुबह खुद में बदलाव लाने का मौका देती है

रीता गंगवानी, ग्रूमिंग एक्सपर्ट

मेरे लिए नया साल शोर-शराबे का उत्सव नहीं, बल्कि ठहरकर सोचने का अवसर है। यह वह समय होता है, जब मैं खुद से पूछती हूं कि मैंने बीते साल में क्या सीखा, क्या छोड़ा और क्या-क्या समझा? मैं नए साल का स्वागत आभार और एक स्पष्टता के साथ करती हूं। पुरानी थकान को पीछे रखकर, जीवन को थोड़ा और समझदारी से जीने का संकल्प लेकर आगे बढ़ती हूं। मेरे लिए नया साल यह याद दिलाता है कि हर सुबह खुद में बदलाव लाने का मौका देती है। बीते साल की बात करूं, तो उसे किसी एक उपलब्धि या घटना से नहीं, बल्कि अपने भीतर आए बदलाव से याद रखूंगी। यह साल मुझे सिखा गया कि हर बात पर प्रतिक्रिया देना जरूरी नहीं और खुद को समझना भी एक बड़ी उपलब्धि है। मैंने इस साल धैर्य स्वीकार कर आत्मसम्मान का अर्थ थोड़ा और गहराई से समझा। यही मेरे लिए इस साल की सबसे यादगार सीख है। नए साल में मेरा संकल्प है-खुद के साथ समझौता नहीं करना। मैं अब दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार खुद को छोटा नहीं करूंगी और न ही अपनी सीमाओं के लिए कोई सफाई दूंगी। मेरा लक्ष्य है, जीवन को तेज नहीं, बल्कि सार्थक बनाना। कम काम करना है, पूरे मन से करना। कम लोगों से जुड़ना है, लेकिन सच्चे रिश्ते बनाना है। मैं चाहती हूं कि जब यह साल खत्म हो, तो मैं यह कह सकूं कि मैंने अपने सच के साथ ईमानदारी बरती।

नए साल में हम नई उमंग के साथ नए अवसर तलाशते हैं : सेजल शाह, एक्ट्रेस

इन दिनों सेजल शाह सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में मधुमिता माहेश्वरी का रोल निभा रही हैं। उनके लिए नया साल एक नई शुरुआत का प्रतीक है। सेजल कहती हैं, 'जो बीत गया, उसे पीछे छोड़कर नए साल में हम नई उमंग के साथ नए अवसर तलाशते हैं ताकि हम आगे बढ़ें, तरक्की करें। नए साल में मेरी सबसे पहले यही कोशिश होगी, अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दूं। अपने खान-पान के प्रति सजग रहूं। बाहर का न खाऊं और अधिक से अधिक घर का पौष्टिक भोजन करूं। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद खुद के लिए समय निकालकर नियमित व्यायाम करूं। इन दिनों स्वास्थ्य को लेकर मैं बहुत ज्यादा सतर्क हूं, क्योंकि हाल ही में मेरे पति को ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। इसने मुझे एहसास दिलाया कि गलत खान-पान और अव्यवस्थित जीवनशैली किस तरह हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। नए साल में मेरा संकल्प है, मैं अपनी दिनचर्या और स्वास्थ्य पर पहले से कहीं ज्यादा ध्यान दूंगी। जहां तक मेरे काम का सवाल है, तो इस मोर्चे पर मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मुझे 'पुष्पा इंपॉसिबल' में मधुमिता माहेश्वरी जैसा सशक्त किरदार निभाने का अवसर मिला। नए साल में इस किरदार में एक नया आयाम जोड़ा जा रहा है। इसके कुछ ग्रे शेड्स इसे और रियल बनाएंगे। मैं हमेशा कुछ अलग और नया करने में विश्वास करती हूं। मैंने यह महसूस किया है कि कोई भी किरदार, चाहे पॉजिटिव हो या नेगेटिव, अगर उसे पूरी शिद्दत से निभाया जाए, तो बहुत प्रभावशाली हो जाता है। उम्मीद है, जिस तरह अभी तक दर्शकों का 'पुष्पा इंपॉसिबल' को प्यार मिला है, आगे भी मिलता रहेगा।'

प्रस्तुतिः अंशु सिंह